



अंकुरिता

2024-2025



GOVT. COLLEGE FOR WOMEN, FARIDABAD

Tasting Reality

What is Real? What is Created? The lines between these two concepts have never been so blurred, and so hotly debated as now. Creativity stems from imagination, and can often be a critique of the existing conditions. Or it could be an engagement with the inner self, where the world within becomes the whole universe. In fact, it could be an interface between the outer and the inner world! Literature, Fine Arts, and Architecture, the Media, and the AI -- all reveal the play of imagination and create a vision of a separate reality. This brings me back to Creation of Reality. In the present times, there are infinite versions of reality, which was explained through 'Simulacra' and 'Simulation' by Jean Baudrillard. In fact, the concept of Reality as such has ceased to exist. Each society, person, time, minute and moment have their own reality or rather, their own 'version of reality'. This term *Reality*, which was considered synonymous with *Truth*, has come to be questioned and rejected in our *post-Truth* times. We are also living in the times described variously as *post-feminism*, *post-humanism*, and ultimately, *metamodernism*.

Heavy words – heavier concepts, and in fact an unravelling of philosophies since the Enlightenment. When the postmodernist texts invite us to so many compelling worlds like *Waiting for Godot*, *One Hundred years of Solitude*, *Blue Tigers*, *Oryx and Crake*, *The Sandman* and *Harry Potter* series, not to forget short fictions by James Baldwin, Eudora Welty, E.B. White, Joyce Carol Oates, Angela Carter, and of course, my favourite, Tobias Wolff -- each work, whether a play where the concept of God is itself in question; a novel based in the fictional village of Macondo, where a whole people lose their memory; a post-apocalyptic novel where the narrator lives in a tree; or pure fantasy incorporating influences of the primordial – each text is real for the time we exist in it, and it exists in us, may be till years later.

Crystals shifting each moment, heart-catching, a glimpse of what I felt listening to my Mamaji, a RADAR engineer, narrating the holocaust and the stories of depravity of man along with the courage of human spirit refusing to give up! My father carrying me on his shoulders late at night, coming back from a concert by Kumar Gandharv, discussing his refusal to be bound by the tradition of any Gharana; my mother wanting to teach me all the major philosophies when I was just twelve, and I and my pitthhoo team were waiting for her lecture to finish...and my street plays in college where my students were tackling serious issues like female foeticide, sanitation, water conservation and climate change through what they initially thought was a chance to bunk classes, and have some fun!

"Every moment, each experience goes on to construct the unique person called 'I', and their temporal and spatial memory. And that is their version of Reality – prismatic, complicated, multi-layered, shifting focus all the time!"

"Offoh Neer Auntie, Mani Masi, or may be it's Dr. Neer right now, I just needed you to explain metamodernism in one line, and I need it like, YESTERDAY! Yes, I will read all these texts sometime! And Pt. Kumar Gandharv? Even he rebelled? Wow! I like that! Yes, but pleeeeeeaz, a clarity in a moment which should remain with me till I finish my CLAT and SAT and am eating twinkies late at night at Princeton, writing my term paper. And you know, I trust you at this moment that you are the only one who can..."

Coming back to the present, I started "Timotheus Vermeulen and Robin van den Akker explain this concept with help of a pendulum oscillating between opposing concepts like sincerity and irony, hope and scepticism, and grand narratives and subjective experience. It represents a *renewed search for meaning and connection in the 21st century, characterized by an 'ironic sincerity' where earnestness is presented with self-aware playfulness.*"

"Yes, I read it on Wikipedia. Just checking whether you had! Good, good. Just needed you to underline the important part! Ultimately it's ice-cream with hot fudge topping!!" she skipped off, grinning. In a while she was back, a tub of mint-green ice-cream with hot fudge dripping all over.

"So you get it now?" I asked, a bit embarrassed by my free-flowing digressions.

"It's an instantaneous installation on the ephemeral in Life, having long-deep roots!"



Dr. Neer Kanwal Mani
Principal (Retd.)

Guest Article



अंकुरिता

प्राचार्या का संदेश

सफलता और सकारात्मकता का रिश्ता बहुत गहरा है। इसे केवल एक संयोग मानना गलत होगा। असल में, सकारात्मक सोच एक ऐसी नींव है जिस पर सफलता की पूरी इमारत खड़ी होती है। यह सिर्फ एक अच्छी भावना नहीं है, बल्कि एक शक्तिशाली मानसिक दृष्टिकोण है जो हमें जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है।

जब हम सकारात्मक सोचते हैं, तो हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है। हम अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने लगते हैं और हमें यह यकीन होता है कि हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विश्वास हमें मुश्किल समय में भी आगे बढ़ने की शक्ति देता है। इसके विपरीत, नकारात्मक सोच हमें अपनी ही काबिलियत पर शक करने पर मजबूर करती है, जिससे हम अक्सर प्रयास करने से पहले ही हार मान लेते हैं।

इसके साथ ही, सकारात्मक दृष्टिकोण प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है। जब हम हर चीज में अच्छा देखते हैं, तो हम प्रेरित होते हैं और अपना काम पूरी ऊर्जा और लगन से करते हैं। यह हमें कठिन मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो सफलता के लिए एक अनिवार्य शर्त है।

चुनौतियों को अवसरों में बदलना

जीवन में चुनौतियाँ आना स्वाभाविक है। एक नकारात्मक सोच वाला व्यक्ति इन्हें रुकावट के रूप में देखता है और आसानी से हताश हो जाता है। वहीं, एक सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति इन्हीं चुनौतियों को अवसर के रूप में देखता है। वह समस्या से घबराने के बजाय उसके समाधान पर ध्यान केंद्रित करता है। यह दृष्टिकोण उसे नए रास्ते खोजने और अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने का मौका देता है।

सकारात्मक सोच हमारे निर्णय लेने की क्षमता को भी बेहतर बनाती है। जब हमारा मन शांत और स्पष्ट होता है, तो हम बिना तनाव के सही और प्रभावी निर्णय ले पाते हैं। इसके अलावा, सकारात्मक लोग अपने आस-पास के लोगों के साथ बेहतर संबंध बनाते हैं। उनका उत्साह और आशावाद दूसरों को भी प्रभावित करता है, जिससे वे एक मजबूत सामाजिक और व्यावसायिक नेटवर्क बना पाते हैं। यह नेटवर्क भी अंततः उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सकारात्मकता केवल एक विचार नहीं है, बल्कि यह एक जीवनशैली है। यह हमें हर स्थिति में उम्मीद जगाने, चुनौतियों से लड़ने और लगातार आगे बढ़ने की शक्ति देती है। इसलिए, अगर आप जीवन में सफलता पाना चाहते हैं, तो अपनी सोच को सकारात्मक बनाना पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है। जैसा कि एक कहावत है: मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। सकारात्मक मन ही जीत का रास्ता खोलता है।



डॉ० सुनिधि

एच.ई.एस.-1

प्राचार्या



अंकुरिता



INDUCTION



GEOGRAPHY



SANSKRIT



PSYCHOLOGY



HOME SCIENCE



MUSIC





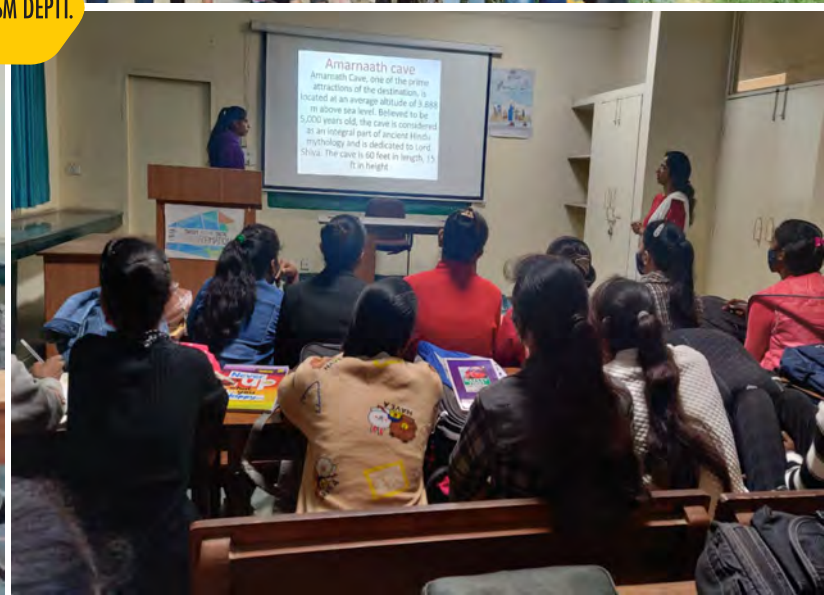
JMC



COMPUTER



TOURISM DEPT.







VOTER'S CLUB



NCORD



ECO CLUB



ECO CLUB





NSS



WOMEN CELL



LEGAL LITERACY





PLACEMENT CELL



RED CROSS



Faridabad, Haryana, India
450, Adarsh Nagar, Sector 63, Faridabad, Haryana 121004, India
Lat 28.387238° Long 77.35375°
03/08/2025 09:24 AM GMT +05:30









प्रवेश लेने वाली राधा अम्बानी को पूरा रास अमलदास पीछा भेटे बिना	दाखिल है। उन्होंने आपत्तकाली तो कि पीछी की देखभाल के लिए तु	सम्भावना ने फायरिंग के सहयोग के लिए अम्बानी अपना बिना।
---	---	--



सोका टाउमम् । फरीदाबाद

स्वास्थ्य पखवाड़ा अभियान के तहत राजकीय महिला महाविद्यालय, सेक्टर-16, फरीदाबाद की अग्रणी महिला कर्मिकाएँ एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से किया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कर्मिकाएँ शामिल हुईं। उन्होंने एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कर्मिकाएँ शामिल हुईं। उन्होंने एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

महिला महाविद्यालय में किया पौधरोपण

फरीदाबाद। स्वास्थ्य पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत सेक्टर-16 स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में अग्रणी महिला कर्मिकाएँ एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कर्मिकाएँ शामिल हुईं। उन्होंने एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कर्मिकाएँ शामिल हुईं। उन्होंने एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

फरीदाबाद

स्वास्थ्य पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत सेक्टर-16 स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में अग्रणी महिला कर्मिकाएँ एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कर्मिकाएँ शामिल हुईं। उन्होंने एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कर्मिकाएँ शामिल हुईं। उन्होंने एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

छात्राओं को दी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह

सेक्टर-16 ए स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में अपराजिता कार्यक्रम का किया गया आयोजन



संवाद यूज एजेंसी

फरीदाबाद। अमर उजाला फाउंडेशन के तहत मंगलवार को सेक्टर-16 ए स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में अपराजिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कर्मिकाएँ शामिल हुईं। उन्होंने एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कर्मिकाएँ शामिल हुईं। उन्होंने एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

स्वास्थ्य रहता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। मासिक धर्म को विलंबी नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसे समझना और अपनाना जरूरी है।

कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने खुलकर अपने सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सहजता से उत्तर दिया। छात्राओं ने इस कार्यक्रम को जानकारी और प्रेरणादायक बताया। इस मौके पर महाविद्यालय की हेड ऑफ डिपार्टमेंट शालिनी खुराना, शिक्षिका सविता नागर और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

शिक्षा 108.8 पर्सेंटाइल तक पहुंची कॉमर्स में मेरिट, 4 से 7 जुलाई तक प्रवेश के लिए शुल्क जमा करा सकेंगे कॉलेजों में दाखिले के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट जारी

TORI NEWS

चंडीगढ़। हरियाणा उच्च शिक्षा निदेशालय ने वीरवार को स्नातक (यूजी) की दूसरी मेरिट लिस्ट जारी कर दी। प्रवेश के कई कॉलेजों की मेरिट 90 पर्सेंटाइल से अधिक रही।

पंचकुला के सेक्टर-14 स्थित राजकीय महिला कॉलेज में कॉमर्स विषय की मेरिट 108.8 पर्सेंटाइल तक रही। गुरुग्राम के डी-जीसी कॉलेज में संस्कृत में सबसे कम 50.6 पर्सेंटाइल रही। वहीं, 4 जुलाई से 7 जुलाई तक आवेदकों को शुल्क जमा कराने का मौका मिला।

दूसरी मेरिट सूची में लाइफ साइंस, ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, इकोनॉमिक्स, जियोग्राफी, साइकोलॉजी, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन आदि विषयों में प्रवेश के लिए मेरिट कम रही। वहीं, आर्ट एडमिनि, कंप्यूटर एप्लीकेशन, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के लिए भी मेरिट कम रही।

रोहतक के नेकोराम कॉलेज में बीकॉम की 96.6 पर्सेंटाइल मेरिट रही। हिसार के राजकीय महिला कॉलेज में 90.4, फिजिकल साइंस में 92.4 तक पर्सेंटाइल रही। राजकीय कॉलेज बहादुरगढ़ की बात करें तो यहां आर्ट्स के लिए 91.2 पर्सेंटाइल, होडल के

राजकीय कॉलेज में बीएससी मैथ में 97.4 पर्सेंटाइल और राजकीय कॉलेज पंचकुला के कॉलेज में बीएससी फिजिक्स में भी रिपोर्ट 95 पर्सेंटाइल तक मेरिट पहुंची। गुरुग्राम के राजकीय कॉलेज में अंग्रेजी विषय में 93.8 तक पर्सेंटाइल पहुंच गई।

दूसरी मेरिट लिस्ट में सफल होने वालों को सात जुलाई तक शुल्क जमा कराने के लिए समय दिया गया है। उच्च निदेशालय की तरफ से भेजा गए पत्र के मुताबिक, तीसरा फेज काउंसिलिंग से शुरू होगा। जो शेष सेंटें बचेगी, उनके लिए फिजिकल काउंसिलिंग 9 जुलाई को होगी। इसी तरह से 10 जुलाई को दोवार से ऑनलाइन पोर्टल खोल जाएगा, जिसमें आवेदक पंजीकरण व जूटियों को दूर करा सकेंगे। वहीं, 11 से 17 जुलाई तक फिजिकल काउंसिलिंग में शामिल आवेदक (100 रुपये विलंब शुल्क के साथ) शुल्क जमा करा सकेंगे। वहीं, 18 से 24 जुलाई तक फिजिकल काउंसिलिंग वाले आवेदक (100 रुपये प्रतिदिन विलंब शुल्क) शुल्क जमा करा सकेंगे।

छात्राओं को दी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह करते हुए इसके लाभ, सावधानियों और स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से एशिय मॉर्गेन अस्पताल से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वता मेहता ने छात्राओं को मासिक धर्म से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने मासिक धर्म को लेकर फैली गलतफहमियों को दूर करते हुए इसके लाभ, सावधानियों और स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. स्वता मेहता ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और जंक फूड से बचने से न केवल शरीर

शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है। इसलिए हमेशा स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें तथा योग को अपनी दिनचर्या में अपनाएं। कार्यक्रम के समापन पर प्रकाशित एवं जनसंचार विभाग की अध्यक्ष शालिनी खुराना ने आभार व्यक्त किया तथा महिला प्रकोष्ठ की ईवांज डॉ. सोनिया ने बताया कि प्रकोष्ठ की ओर से लगातार कई कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्राओं को स्वास्थ्य, आत्मरक्षा जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है।

पोस्टर एवं स्लोगन लेखन से दिया नशामुक्ति का संदेश

जिले के 20 कॉलेज के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

सोका टाउमम् । फरीदाबाद

सेक्टर-16ए स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में सोमवार को एनएसएस इकाई द्वारा (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) नशामुक्ति अभियान चलाया गया। जिसमें जिला स्तर पर पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा महाविद्यालय की छात्राओं ने रैली निकालकर लोगों से नशा छोड़नी की अपील की। प्रतियोगिता में जिले के 20 महाविद्यालयों से 40 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पोस्टर मेकिंग में गुरु और स्लोगन लेखन में सफल प्रथम स्थान हासिल किया। इस अवसर पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी मूर्ति ने निर्णायक की भूमिका अदा की।

प्रभाचारी डॉ. सुनिधि ने नशामुक्ति का छात्रा दिया न तृतीय स्थान हासिल किया।

यहाँ स्लोगन लेखन में राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरात की टी छात्रा सपना ने प्रथम स्थान, आगवाल महाविद्यालय की छात्रा तनु ने द्वितीय स्थान तथा मानव रचना विश्वविद्यालय फरीदाबाद की प्रहवी ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेता भागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजन में महाविद्यालय की रैडकांस सोसायटी का नाई का विशेष योगदान रहा।

नशा छोड़ने की अपील के साथ 10 को एंट्री करेगी साइक्लोथॉन

नशामुक्ति अभियान के तहत राजकीय महिला महाविद्यालय में सोमवार को एनएसएस इकाई द्वारा (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) नशामुक्ति अभियान चलाया गया। जिसमें जिला स्तर पर पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा महाविद्यालय की छात्राओं ने रैली निकालकर लोगों से नशा छोड़नी की अपील की। प्रतियोगिता में जिले के 20 महाविद्यालयों से 40 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पोस्टर मेकिंग में गुरु और स्लोगन लेखन में सफल प्रथम स्थान हासिल किया। इस अवसर पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी मूर्ति ने निर्णायक की भूमिका अदा की।

प्रभाचारी डॉ. सुनिधि ने नशामुक्ति का छात्रा दिया न तृतीय स्थान हासिल किया।

यहाँ स्लोगन लेखन में राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरात की टी छात्रा सपना ने प्रथम स्थान, आगवाल महाविद्यालय की छात्रा तनु ने द्वितीय स्थान तथा मानव रचना विश्वविद्यालय फरीदाबाद की प्रहवी ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेता भागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजन में महाविद्यालय की रैडकांस सोसायटी का नाई का विशेष योगदान रहा।

करुणा ने एथलेटिक्स में स्वर्ण जीत

शहर की शान

दंगल की कलनी देखकर हुई थी प्रभावित

परीक्षार्थी, बच्चों सहित राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर-16ए में मौजूद प्रथम की छात्रा डॉ. सुनिधि ने एथलेटिक्स में स्वर्ण जीत हासिल की।

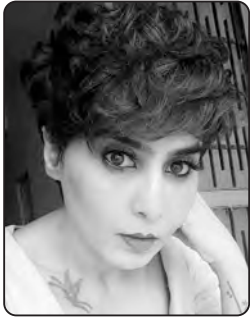
इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कर्मिकाएँ शामिल हुईं। उन्होंने एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महिला कर्मिकाएँ शामिल हुईं। उन्होंने एक विशेष कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

विवरणिका

डॉ. भीमराव अम्बेडकर	3	Article on Doctor	12	Good Bye.....!	24
चल पड़े नई दुनिया की ओर	3	Nation and Nationalism	12	Commerce : The Pulse of Progress	24
जिंदगी	3	Save Water	12	Stage Fear ... Why ...?	25
इतना पैसा लेकर कहाँ जाओगे	3	Riddle	13	Business Environment	25
फिर उठ खड़े हो	4	College Life	13	प्रकृते: सुरक्षणमस्माकं परं कर्तव्य	26
बेटियाँ	4	Positive & Negative Effects of Social ...	14	सन्यासी कः	26
करियर की राह	4	Digital Skills Every Student must learn	14	संवादः (गीता-सीतयोः सम्वादः)	26
जिंदगी का सफर	4	The Wonders of Science	15	स्वामी दयानन्दः	27
मंजिल उन्हीं को मिलती है	5	Poem on AI	15	हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथै	28
विद्यार्थी की राह	5	Indian Education System	16	चिन्तनमात्रेण किम्?	28
शेयर बाजार के बारे में ज्ञान	5	The Magic of Prime & Cartoons	16	संस्कृतकाव्यम्	29
स्टॉक मार्किट	6	Social Media : A Boon or Bane	16	पुरः पुरः प्रगच्छ ऐ	29
प्रकृति	6	Cyber Crime : The invisible Thief	17	Artificial Intelligence (AI)	30
नारी शक्ति	7	Cyber Security & Data Privacy	17	Gender Inequality	32
हे गोविंद	7	In the Halls of Learning	18	Nature's Message to Humanity	33
कवि कालिदासः	8	Nature	18	List of Institutions	35
हार मत मानो	8	Poem : You are the laugh in my silence	18	Statutory	36
पिता	8	A fatal Crash : Boeing Dreamliner	19		
अमावस्या और पूर्णिमा	8	Artificial Intelligence	19		
मेरा भारत	9	Stock Exchange & Covid-19	20		
कॉलेज जीवन	9	The Habit that shapes destiny-discipline	20		
पुरः पुरः प्रगच्छ ऐ	10	Role of Chemistry in Everyday life	21		
पहलगाम की पुकार	10	College Life	21		
भूतिया रेस्टोरेंट	10	Digital Technology	21		
Understanding Crime : Trends 2025	11	The Art of Slow Living	21		
Operation Sindoor	11	Missing You	22		
		The Ant	22		
		The Role of Passion in Career Choice	23		
		The Importance of Education	23		
		The beginning of the end again	24		





MESSAGE

Dear students,

It's a rare opportunity to address family and friends through this editorial . I am a student of Literature in and out and moving out from that ambit is not tough but impossible. Communication is the forte of our basic existence and this very word is often marred by confusion and jargon. When we communicate, we aim at creating our replica in the listener.....that's ideal communication . But thats an inaccessible goal to achieve . Whether we are at the Sender's end or Receiver's, we often are enveloped by personal biases, emotion and judgemental views. These add to deferred communication.

To master communication, focus on active listening by giving your full attention to the speaker. Develop clear and concise verbal and written communication skills, paying attention to tone and message. Improve your non-verbal communication through open body language and direct eye contact. Build confidence and empathy, practice adapting to your audience, and always seek feedback to continuously refine your skills. Seven effective communication skills include active listening, clarity, conciseness, confidence, empathy, respect, and feedback. Please find my pondering useful with my sheer thanks to the team for making this College Magazine a pleasant reading.

Meenal Sabharwal
Deptt. of English
Editor

डॉ० भीमराव अम्बेडकर

कहते हैं शिक्षा शेरनी का वह दूध है जिसे जो जितना पिएगा उतना ही दहाड़ेगा। मेहनत और लगन वह हथियार है जो पहाड़ को तोड़कर रास्ता बना देते हैं। शिक्षा मेहनत और लगन ये तीनों जब मिलते हैं तब बनता है इतिहास। एक ऐसा इतिहास जो एक बार लिख दिया जाए तो उसे मिटाना नामुमकिन है। डॉ० भीमराव अम्बेडकर इतिहास के उन पन्नों में स्वर्णित अक्षरों में अंकित हैं जो मरकर भी आज भी हमारे बीच जिंदा हैं। डॉ० भीमराव अम्बेडकर ने देश को समानता की छत दी। जिसे 'संविधान' के नाम से जाना जाता है जिसकी छत्रछाया में रहकर आज हमारा देश फल फूल रहा है। इन्होंने सदियों से चली आ रही उस प्रथा का अंत किया है जिसे मिटाना इतना आसान नहीं था। 'छूआछूत' इंसान को इंसान न समझ कर जाति में विभाजित कर दिया गया। डॉ० भीमराव अम्बेडकर छोटी जाति से ताल्लुक रखते थे। जिसके चलते उनके साथ बहुत भेदभाव किया गया। पढ़ाई सक्षम होने के बावजूद उन्हें पढ़ने नहीं दिया जाता था। जिसके कारण शिक्षा के लिए उन्हें अत्याधिक कठिनाइयों को सामना करना पड़ा। मंदिर जाने से लेकर पानी पीने तक की मनाही थी। लेकिन कहते हैं अगर मन में कुछ कर गुजरने की चाह हो तो सभी परेशानियाँ छोटी पड़ जाती हैं। भीमराव अम्बेडकर ने यह ठान लिया था कि वह अपने वर्ग के लोगों की छूआछूत और भेदभाव के इस दलदल से निकाल कर ही रहेंगे। इन्होंने मेहनत व लगन के दम पर कोलंबिया विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त की। 32 डिग्रियों के साथ डॉ० की उपाधि लेकर जब वह भारत लौटे तो उन्होंने सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध सुनामी ला दी और देश को एक नया रूप दिया जिसे 'संविधान' के नाम जाना जाता है। भारत को एक नया स्वरूप दिया। लक्ष्य अगर पक्का हो तो निशाना चूक नहीं सकता। डॉ० भीमराव अम्बेडकर ने भेदभाव की बेड़ियों को तोड़कर समानता के हक की लड़ाई लड़ी और सभी को समानता व शिक्षा का हक दिलाया। स्त्रियों भी शिक्षा का हक दिया। बाबा साहेब वो महान नायक हैं जो मरकर भी आज हमारे बीच अमर हैं। शिक्षा ही एकमात्र हथियार है जिसे लगन व मेहनत के साथ पूरी शिद्दत से किया जाए तो कुछ भी नामुमकिन नहीं है।

चल पड़े नई दुनिया की ओर



चल पड़े नई दुनिया की ओर, छोड़कर सब रिश्ते, नाते, मोह।
नई उड़ान है नई कमान है, लेने चले नई पहचान है।
जैब में कलम, हाथ में किताब है, लिखने चले नया इतिहास है।
चल पड़े नई दुनिया की ओर, छोड़कर सब रिश्ते, नाते, मोह।
मेहनत को अपना है, कुछ करके सबको दिखलाना है
हंसते हैं जो लोग हमपर उनका मुँह बंद करके दिखलाना।
चल पड़े नई दुनिया की ओर, छोड़कर सब रिश्ते, नाते, मोह।

जिंदगी

छोटी सी जिन्दगी
हर बात में खुश रहो
जो चेहरा पास न हो
उसकी आवाज में खुश रहो
कोई नाराज हो आपसे
उसके अंदाज में खुश रहो
जो लौट के नहीं आने वाले
उनकी याद में खुश रहो
कल किसने देखा है
अपने आज में खुश रहो।

हिमांशी

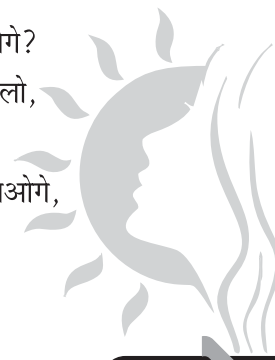
एम.ए.जे.एम.सी. - द्वितीय वर्ष

इतना पैसा लेकर कहाँ जाओगे?



इतना पैसा लेकर कहाँ जाओगे?
बसता चाहे सोने का बनवा लो,

पर पेंसिल तो आज भी लकड़ी की ही चलाओगे,
इतना पैसा होकर कहाँ जाओगे?
इस मोह-माया में रखा ही क्या है जो तुम
पाओगे, इतना पैसा लेकर कहाँ जाओगे?



कितनी भी महंगी बोटल हो, पानी तो तुम,
भी उतना ही पी पाओगे, इतना पैसा लेकर कहाँ जाओगे?
जितना भी कमाओगे, अपने बाद किसपर लगाओगे?
इतना पैसा लेकर कहाँ जाओगे?
हाँ पैसा ज़रूरी है, खाने के लिए चाहिए,
तो ये नहाने के लिए चाहिए,
चीज़ ये बहुत ही ज़रूरी है,
मगर क्या लालच के नाम पर इसे खा पाओगे?
इतना पैसा लेकर कहाँ जाओगे?
अंत तो इतना ही है की लालच करना
छोड़ दो वरना भूत बन जाओगे,
और यही कहते नज़र आओगे,
इतना पैसा लेकर कहाँ जाओगे?
इतना पैसा लेकर कहाँ जाओगे?

फिर उठ खड़े हो

गिरकर भी चलना जाने, वही असली वीर है,
अंधेरों में जो दीप जलाए, वही गंभीर है।
राह में काँटे कितने भी हो, रूकना मत ऐ मुसाफिर,
हर मुश्किल के पीछे छुपा है, जीत का एक सफर।
हार को भी सीख बना लो, आँधियों से लड़ना सीखो,
तुफानों के बीच खड़े होकर, खुद को और गढ़ना सीखो।
आगे बढ़, मत यक मत थक - तेरी हिम्मत तेरा मान,
तेरे कदमों की गूँज से ही, रोशन होगा जहान।

करिश्मा

एम.ए.जे.एम.सी. - द्वितीय वर्ष

बेटियां

पिता की जान, मन का अभिमान होती है बेटियां,
घर आंगन की रौनक होती है बेटियां,
दोनों का सरताज बनती है बेटियां,
जिंदगी में सावन बन बहार लाती है या बेटियां,
दुनिया जहां को आबाद करती है बेटियां,
जाने क्यों?
मांगती है दुनिया बेटों के लिए मन्नत,
मेरी नजर में तो भगवान का आशीर्वाद होती है बेटियां।



ममता

करियर की राह



करियर कोई सपना नहीं,
यह संघर्ष की पहचान है।

पसीने की हर बूँद से लिखी मेहनत की कहानी महान है,
राहें आसान नहीं, मंजिल दूर नजर आती है,
पर हौसला रखने वालों की किस्मत चमक जाती है।
किताबें ही साथी हैं, धैर्य ही हथियार है,
मेहनत का हर कदम सफलता का आधार है।
गिरकर भी उठना है, थककर भी चलना है,
करियर की इस दौड़ में खुद को बेहतर करना है।
जो समय को पहचानते हैं, वो इतिहास रच जाते हैं,
करियर की राह से ही लोग अपना नाम कमा जाते हैं।

नीलू गुप्ता

एम.ए.जे.एम.सी. - द्वितीय वर्ष

जिंदगी का सफर

जिंदगी ने बहुत कुछ सिखाया है,
कभी हँसना तो कभी रोना सिखाया है।
यहाँ सभी अपने हैं, यह अपनों का दिखावा है,
एक कड़वा सच है, यहाँ अपनों ने ही ठुकराया है।
कुछ ने दोस्ती को खुशी का जरिया बताया है,
मगर हमें तो दोस्तों ने ही पराया करके दोस्ताना जताया है।
जिनसे उम्मीद थी हम मोड़ पर साथ निभाने की,
उन्होंने ही दिल दुखाकर रिश्ता मिटाया है।
सुना था प्यार सबसे अनमोल एहसास है,
दिल का सबसे खूबसूरत विश्वास है।
मगर हकीकत ने तो कुछ और दिखाया है,
क्योंकि अपना चाहा हुआ तो किसी और का होता पाया है।
रिश्ते नाते सब धोखा है, किसने दिल से साथ निभाया है,
अब कोई सहारा नहीं यहाँ, सिर्फ भगवान की ही साया है।
यूँ तो जिंदगी ने बहुत हराया, पर असली सबक सिखाया है,
खुद से प्यार, खुद पर विश्वास और
खुद से उम्मीद यह पाठ जिंदगी ने क्या खूब पढ़ाया है।



एक संकल्प ऐसा उठाना है, हर कदम ऐसा बढ़ाना है,
जो सोच ना सके कोई, खुद को ऐसा बनाना है।
माँ बाप का कर्ज है - गर्व से चुकाना है,
उनके सपनों को, साकार कर दिखाना है।
यह जिंदगी का जनाब जनजालो से भरा पाया है,
मगर सब कुछ छोड़कर खुलकर जीना है,
क्योंकि जिंदगी को कौन दोबारा जी पाया है।

कोमल भड़ाना

एम.ए.जे.एम.सी. - द्वितीय वर्ष



**मंजिल उन्हीं को मिलती है,
जिनके सपनों में जान होती है।**

मंजिल को पाने के लिए हमें जी जान से मेहनत करना पड़ता है। क्योंकि जीवन एक खेल है। यह खेल हम किस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दे किसी को पता नहीं चलता। इस जीवन के खेल में कभी बुरा और कभी अच्छा हो सकता है। इसलिए हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए। क्योंकि बुरे समय में ही इंसान अपनी काबिलियत को पहचानता है, जिसने जीवन में संघर्ष किया हो वह कभी भी हार नहीं सकता है। क्योंकि ऊँचा मुकाम को हासिल करने के लिए जीवन में संघर्ष करना पड़ता है। यही चीजे तो दुनियाँ को जीतने का हौसला देती है और जिसने अगर अपनी मंजिल को पा लिया समझ लो वह दुनिया जीत गया। मंजिल को पाने में मदद करने वाला कोई भी हो सकता है क्योंकि वह भी प्रेरणा को स्रोत बन सकता है। इसलिए जीवन में कभी हार नहीं माननी चाहिए, और अपने हौसलों को बुलंद करना चाहिए।

डिम्पी

एम.ए.जे.एम.सी. - द्वितीय वर्ष
रोल नं० 09

Journey of a student

हर विद्यार्थी की जिन्दगी एक कहानी होती है। कभी संघर्ष, कभी खुशी कभी कंप्यूसन और कभी मोटिवेशन ये कहानी एक छोटे से गाँव से आया, सपनों के बगल में थोड़ी सी उम्मीद और बहुत सारी मेहनत लेकर।

शुरूआत

जब ऐडमिशन हुआ तो सब कुछ नया सा था शहर का पर्यावरण

और पढ़ाई का प्रेसर पहले सेमिस्टर में अंक उतने अच्छे नहीं आए, और लगने लगा शायद मैं गलत जगह आ गई हूँ, लेकिन इसी वक्त एक दोस्त और एक अध्यापक ने मोटिवेट किया। हर गिरना एक नए उठने का सिगनल होता है।

सिखने का सफर

धीरे-धीरे कॉलेज सिर्फ पुस्तकें और परीक्षा तक सीमित नहीं रहा डिबेट प्रतियोगिता और इंटरशिप ने आत्मविश्वास बढ़ाया, हर दिन एक नयी चीज सीखने को मिली, क्लासरूम से ज्यादा जिन्दगी ने सिखाया, दोस्त बने और नए शहर को समझा और सबसे बड़ी बात अन्दर के असली संभावना को पहचाना।

चुनौतिया और जीत

हर सेमिस्टर एक नई चुनौती लेकर आया कभी आर्थिक समस्या। कभी घर की याद कभी अपने ही फैसले को लेकर शक करना। लेकिन ये सब संघर्ष ने हिम्मत और धीरज रखना सिखाया, हर छोटी जीत एक प्रतियोगिता जीतना, हर छोटी जीत एक प्रतियोगिता जीतना, इंटरशिप पाना या एक प्रस्तुती में सहारा बनना अपने आप में मोटिवेट बन गई।

मंजिल की ओर

आज जब पीछे मुड़कर देखती हूँ तो लगता है कि कॉलेज की जर्नी ने मुझे सिर्फ डिग्री नहीं दी बल्कि एक नया इंसान बना दिया। अब मुझे मालूम है कि जिन्दगी के सफर में गिरना और उठना एक विद्यार्थी की असली पहचान है।

सफलता वही पाता है जो

हारके भी दुबारा खड़ा होना जानता है।

सिमरन गुप्ता

बी.ए.जे.एम.सी. - प्रथम वर्ष
1250472028



शेयर बाजार के बारे में ज्ञान

भूमिका- शेयर बाजार का एक समृद्ध और पुराना इतिहास है जो सदियों पुराना है और इसकी जड़ें 1500 के दशक में atwork और लंदन में हैं। जैसे कि हम जानते हैं, आधुनिक शेयर बाजार की शुरुआत 1668 में एम्स्टर्डम स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना के साथ हुई थी।



परिचय- स्टॉक एक्सचेंज एक केंद्रीकृत मार्केटप्लेस हैं जहाँ सार्वजनिक रूप से ट्रेडेड कंपनियों के शेयर खरीदे व बेचे जाते हैं। स्टॉक को शेयर भी कहा जाता है।

मुख्य विषयवस्तु:- भारत में शेयर Market की स्थिति अभी थोड़ी अच्छी हुई है। सेंसेक्स 8 महीने में 5000 प्वाइंट बढ़ा सेंसेक्स। सेंसेक्स वह है जो शेयर बाजार की दशा बताता है।

आज की ट्रेडिंग session में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में Index में बढ़ोत्तरी दिखाई।

Top Gainers:-

Tata Motors, Reliance, Kotak Mahindra

Top Losers:-

Sensex, Bharat, Electronics

काजल चन्दीला

बी.कॉम - फाईनल ईयर



STOCK MARKET

Stock Market:- Stock Market को हिंदी में शेयर बाजार कहा जाता है। यह एक ऐसा प्लेटफार्म होता है जहाँ कंपनियों के शेयर्स खरीदे व बेचे जाते हैं।

Stock Market World:- दुनिया का सबसे पहला स्टॉक मार्केट 1602 में, डच ईस्ट इंडिया कंपनी ने एम्स्टर्डम में शुरू हुआ था।

Stock Market First Time in India:- 1875 में और 19वीं शताब्दी में बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना हुई और यह एशिया का पहला और दुनिया का दसवाँ सबसे पुराना स्टॉक एक्सचेंज था।

Controller:- स्टॉक मार्केट को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) चलाता है।

SEBI or Controller:- यह एक संस्था होती है जो स्टॉक मार्केट को Control करती है।

Stock Market Timing:- सुबह 9.15 से 3.30 शाम तक।

Stock Market Prices Changes:- सुबह 9:15 से शाम 3:30 तक शेयर्स व मार्केट में उतार-चढ़ाव होता है और 3:30 पर जो कीमत होती है वह ही आखिरी फ़ैसला माना जाता है।

Stock Market Tax:- अगर स्टॉक मार्केट में शेयर्स पर लाभ हुआ है 1.25 लाख से अधिक तो उस पर 15% टैक्स लगता था और 23 जुलाई 2024 से 20% लगता है।

Stock Market Safe or Unsafe: Stock Market एक सुरक्षित जगह है क्योंकि यह SEBI के नियंत्रण में होती है और जनता बढ़-चढ़ कर शेयर्स में निवेश करती हैं व लाभ कमाती है।
Unsafe: Stock Market में शेयर्स का Price बढ़ता-चढ़ता व गिरता रहता है। इसलिए जनता को हानि भी उठानी पड़ती है।

खुशबु

बी.कॉम - फाईनल ईयर



प्रकृति

हरी-हरी खेतों में, बरस रहे बूँदे,
खुशी-खुशी से आया सावन,
भर गया मेरा आँगन।

ऐसा लग रहा है जैसे, मन की कलियाँ खिल गयी कैसे,
ऐसा कि आया बंसत, लेके फूलों का जश्न॥
धूप से प्यासी मेरे तन को, बूँदों ने दी ऐसी अँगड़ाई,
कूद पड़ा मेरा तन मन, लगता है मैं हूँ एक दामन॥
यह संसार है कितना सुंदर
लेकिन लोग नहीं उतने अकल मंद,
यही है एक निवेदन, न करो प्रकृति का शोषण॥

बिरेन्द्र प्रसाद

फिजिकल साइन्स

(तृतीय समेस्टर) रोल नं० 38



नारी शक्ति (अब आगे बढ़ते जाना है)

कोमल है कमजोर नहीं,
अब साबित कर दिखाना है।

आज़ादी की नींव खोदकर, प्रगति का पत्थर लगाना है।
दया और माया की मूरत, जब बनती महतारी है,
अगर सामने अत्याचार है।

अपने साहस के दम पर, अब नवल इतिहास बनाना है,
बेड़ियों को तोड़कर, बस आगे कदम बढ़ाना है।

फूलों कि कोमल छाया में, शक्ति का नाम ही नारी है,
जग को जीवन देने वाली मौत भी तुमसे हारी है।

दया छमा उपकार प्यार का, लेकर कर में पवन डोर,
आँचल के पलने में पाला, सकल विश्व हो आत्म विभोर।

बिहस रहा मातृत्व तुमहारा, कहकर तुम्हें अनारी है,
जग की जीवन देने वाली, मौत भी तुमसे हारी है।

देखो, तप-तप के शोलो पे ये जल बन गया ज्वाला है,
छोड़ के झूठे रीत-रिवाज, घूँघट से मूँह निकला है।

तोड़ के बेड़ियाँ सदियों की, अब नारी ने रण संभाला है,
अब आगे बढ़ते जाना है।

छोड़ श्रृंगार रस की बाते, शक्ति ने उठाया भाला है,
मिला कंधे से कंधा नर के, हर विपदा से बाहर निकाला है।

जीत लिया जमीं से नभ तक, इतिहास नया रच डाला है,
निकल कर खुले गगन में, पहनी विजय श्री माला है।

तोड़ के बेड़ियाँ सदियों की, अब नारी ने रण संभाला है।
अब आगे बढ़ते जाना है।

अंजली कुमारी

बी.एस.सी. फिजिकल साइन्स
(तृतीय समेस्टर) रोल नं० 39



हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग
के संसार में,
प्रत्येक मानव रहता केवल अपने धन दौलत
के अंहकार में॥

हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस युग के संसार में,
जाने अनजाने सबको फसाया मोहमाया की इस बहार में॥
हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग के संसार में,
किसी बेटी की इज्जत उतरे बीच भरे बाज़ार में॥

हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग के संसार में,
माँ बाप की इज्जत से प्यारा प्रेम आज की पीढ़ी के विचार में॥
हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग के संसार में,
आपको ही कोसता मानव अपने हानि में और लाभ में॥

हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग के संसार में,
किसी के भले की बता करो तो लगता मानो मार रहे सर दीवार में॥
हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग के संसार में,
सच्चाई की तो क्या कहें सगे साथी तो क्या अब तो न दिखती माँ
बाप में॥

हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग के संसार में,
जीव-जन्तुओं को मारकर खाते रोज़ अपने आहार में॥
हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग के संसार में,
कर रहे सब झूठे वादे सच्चाई बताओ तो कहते हम तो अंधे है जी
प्यार में॥

हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग के संसार में,
स्वयं गोविंद आपका प्रयोग करता मनुष्य अपने व्यापार में॥

हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग के संसार में
हे गोविंद! ये कैसा खेल रचाया इस कलयुग के संसार में॥

इशिका तंवर

बी.बी.ए. द्वितीय वर्ष, रोल नं. 53





कवि कालिदासः

कवि कालिदासः संस्कृतसाहित्यस्य महान
कविः नाटककारश्च आसीत्।

जीवन कलश्च न निश्चितरूपेण जायते,

परन्तु सः गुप्तकालस्य समये आसीत् इति महन्यते,

सम्भवतः चतुर्थ - पञ्चमाशतकस्त ईस्वी।

कालिदासः “कवीनां कालिदासः श्रेष्ठः”।।

इति मन्यते, तस्य रचनाः च

“उपमा कालिदासस्य” इति नाम्ना प्रसिद्धाः।।

कालिदास की प्रमुख रचनाएँ:

महाकाव्यः— रघुवंश, कुमारसंभव

नाटकः— अभिज्ञान शाकुल्लम्, मालविकाग्नि मित्रम्

गीतिकाव्यः— मेघदूत, ऋतुसंहार

मुस्कान

बी.एस.सी - द्वितीय वर्ष, रोल न0 08



हार मत मानो

जीवन की राहें आसान नहीं,

कभी काँटे, कभी तूफान सही।

कभी गिरागे, कभी टूटोगे,

पर हिम्मत से फिर भी आगे बढ़ेंगे

मंजिल वही पाता है अंत में,

जो थककर भी रुकता नहीं रण में।

हर दर्द को मुस्कान बनाओ।

हर हाल को सबक समझाओ।

अंधेरे से मत घबराना,

हर रात के बाद सवेरा आना।

कदम डगमगाएँ तो थाम लो यकीन,

हौसलों की लौ से करो जगमत जमीन।

जो ठोकर खाकर भी चलता है।

वही इतिहास में चमकता है।

हार मत मानो, ये जीवन का गीत,

संघर्ष ही बनाता है इंसान को प्रवीण।

सुधा राठौर

बी.एस.सी. - द्वितीय वर्ष



॥ पिता ॥

पिता सृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है

पिता अंगुली पकड़े बच्चे का सहारा है

पिता कभी कुछ मीठा है, तो कुछ खारा है

पिता पालन-पोषण है परिवार का अनुशासन है

पिता भय से चलने वाला प्रेम का प्रशासन है

पिता रोटी है कपड़ा है, मकान है,

छोटे से परिन्दे का बड़ा आसमान है,

पिता अप्रदर्शित, अनन्त प्यार है,

पिता है तो बच्चों के ढेर सारे सपने हैं

पिता है तो बाजार के सब खिलौने अपने हैं,

पिता से परिवार में प्रतिपल राग है,

पिता से ही माँ की बिन्दी और सुहाग है,

पिता परमात्मा की जगत के प्रति आसक्ति है,

पिता गृहस्वाश्रस में उच्च स्थिति की भक्ति है,

पिता यानि इच्छाओं का हनन और परिवार की मूर्ति है

पिता रक्त में दिए हुए संस्कारों की मूर्ति है

पिता एक जीवन को जीवन दान है।

पिता दुनिया दिखाने का अहसास है

पिता सुरक्षा है, अगर सिर पर हाथ है,

पिता नहीं तो बचपन अनाथ है,

तो पिता से बड़ा तुम अपना नाम करो,

पिता का अपमान नहीं अभिमान करो,

क्योंकि माँ-बाप की कमी कोई बाँट नहीं सकता।

ईश्वर भी इनके आशीषों को काट नहीं सकता,

ईश्वर भी किसी भी देवता का स्थान दूजा है।

माँ-बाप की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है।

अमावस्या और पूर्णिमा

भले शक्ति विज्ञान में है निहित वह

कि जिससे अमावस बने पूर्णिमा-सी

आप अमावस्या और पूर्णिमा के बारे में पहले ही पढ़ चुके हैं। क्या आप जानते हैं कि अमावस्या और पूर्णिमा के होने का क्या कारण है? आप आकाश में रात को चंद्रमा अवश्य देखते होंगे। क्या चंद्रमा प्रतिदिन एक-सा दिखाई देता है?



चंद्रमा घटता-बढ़ता दिखाई देता है। आइए जानते हैं कि ऐसा कैसे होता है। आप जानते ही हैं कि चंद्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करता है जबकि पृथ्वी सूर्य की। आप यह भी जानते हैं कि चंद्रमा का अपना कोई प्रकाश नहीं होता। वह सूर्य के प्रकाश से ही चमकता है। लेकिन पृथ्वी के कारण सूर्य के कुछ प्रकाश को चंद्रमा तक जाने में रूकावट आ जाती है। इससे पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर आ जाती है। इससे पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है, जो प्रतिदिन घटती-बढ़ती रहती है। सूरज का जो प्रकाश बिना रूकावट चंद्रमा तक पहुँच जाता है, उसी से चंद्रमा चमकदार दिखता है। इसी छाया और उजले भाग की आकृति में आने वाले परिवर्तन को चंद्रमा की कला कहते हैं।

चंद्रमा की कला धीरे-धीरे बढ़ती रहती है और पूर्णिमा की रात चंद्रमा पूरा दिखने लगता है। इसके बाद कला धीरे-धीरे घटती रहती है और अमावस्या वाली रात चाँद दिखाई नहीं देता। चंद्रमा की कलाओं के घटने के दिनों को 'कृष्ण पक्ष' कहते हैं। 'कृष्ण' शब्द का एक अर्थ कला भी है। इसी प्रकार चंद्रमा की कलाओं के बढ़ने के दिनों को 'शुक्ल पक्ष' कहते हैं। 'शुक्ल पक्ष' शब्द का एक अर्थ 'उजला' भी है।

चंद्रमा की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण समुद्र में ज्वार-भाटा (लहरें) आते हैं।

अमावस्या के समय चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच होता है, जिसे सूर्य और चंद्रमा की गुरुत्वाकर्षण शक्तियाँ मिलकर पृथ्वी पर अधिक प्रभाव डालती हैं, जिससे बड़े ज्वार आते हैं। पूर्णिमा के समय चंद्रमा पृथ्वी की दूसरी तरफ होता है तब भी सूर्य और चंद्रमा की शक्तियाँ मिलकर बड़े ज्वार का कारण बनती है।

अमावस्या को हिन्दू धर्म में पितरों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध जैसे अनुष्ठान किए जाते हैं। कुछ लोग अमावस्या पर व्रत भी रखते हैं। पूर्णिमा का दिन हिन्दू धर्म में कोई त्योहारों और अनुष्ठानों से जुड़ा है। जैसे कि गुरु पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा आदि। पूर्णिमा पर व्रत रखना, पूजा करना और धार्मिक अनुष्ठान करना शुभ माना जाता है।

शशिना च निशा निशया च शशी

शशिना निशया च विभाति नभः।

अंजली कुमारी

बी.एस.सी - द्वितीय वर्ष

रोल नं० 19 (1242991019)



“मेरा भारत”

धूप हो या छाव हो, पर्वतों की छांव हो,

हर जगह बस प्यार है, ये मेरा ग्राम्य - गांव हो।

धरती जिसकी माँ बनी, नभ है जिसके नाम का
उस देश की मिट्टी में है अनोखे काम को।

सरहदों पे जो खड़े हैं, चैन से जो सो रहे,
उन सपूतों के लिए, नमन में शीश झुकाए।

जो लड़े हर दौर में, बन के वीर, बन के ढाल,
उनकी गाथा गा रहा, ये मेरा भारत महान।

नदी बहती वेद-सी, पर्वत जैसे ऋषि हों,
हर दिशा में गूँजती, आरती के मंत्र हों,
भाषा में मिठास है, रंगों में विविधता,
फिर भी हर दिल एक है - यही है असल एकता।

ना झुका है, ना झुकेगा, ये तिरंगा शान से,
हर जनम में चाह यही, जनम लूँ मैं इस धरा पे।

देशभक्ति धर्म हो, कर्म हो बस मातृभूमि
तेरे चरणों में समर्पित-ये प्राण, ये जीवन भूमि।

हम भारत के प्यारे फूल, रंग-बिरंगे, सुंदर, अनुकूल।
ज्ञान से हम रोशनी लाएं, भारत को सुंदर बनाएं।

नफरत नहीं, प्रेम उगाएं, हर कोने में दीप जलाएं।
माँ के चरणों में अर्पित प्राण, जय हो भारत, जय हिंदुस्तान॥

अर्चना

बेचलर ऑफ साइन्स - द्वितीय वर्ष

रोल नं० 1242991021



कॉलेज जीवन

कॉलेज के दिन हैं कितने निराले
दोस्तों के संग के मतवाले

कभी क्लास में नोट्स का झमेला

कभी कैटीन में गपशप का मेला।

पढ़ाई भी है शरारत भरे साथ,

यादें बनाए, हर दिन हर रात।

इम्तिहानों का डर, फिर मस्ती का रंग,

यारी-दोस्ती का अनोखा संग।

यही है जवानी का सबसे प्यारा नजारा।

मिनाक्षी मौर्या

बी.एस.सी - द्वितीय वर्ष, रोल नं० 32





पहलगाम की पुकार

शांत वादियों में गूँजा शोर,
दर्द से काँप उठा हर एक दौर!
मासूम लहू से भीगीक थी ज़मीं,

यात्री थे निकले श्रद्धा लिए,
मन में था केवल ईश्वर लिए।
पर दानवता ने वार किया,
मानवता का अपमान किया।

अब वक्त है जागने का साथियों
साहस से खड़े होने का साथियों
नफ़रत को जड़ से मिटाना है,
भारत को सुरक्षित बनाना है।

रक्त से भीगी वो पावन ज़मीं,
कह रही थी “क्यों इतना क्रूर है इंसानी?”
दर्द में लिपटी हर एक नज़र,
न्याय की पुकार थी गगन पर।

एकता की मशाल जलाएँ हम,
भय को दिलों से हटाएँ हम।
पहलगाम की धरती कहे पुकार
“शांति ही हो हर दिल का आधार!”

-अनिसा

बी.एस.सी - द्वितीय वर्ष
रोल नं. - 1242991023

भूतिया रेस्टोरेंट



एक रेस्टोरेंट कि खुदाई की जा रही थी। रेस्टोरेंट का मालिक और कुछ कर्मचारी वहाँ पर लगे हुए थे। खुदाई करते वक्त वहाँ पर एक टोपी मिली और साथ ही एक मैन्सू कार्ड भी मिला। कर्मचारी ने वह दोनों चीजें ग्रेस को दिखाई जो कि रेस्टोरेंट का मालिक है। ग्रेस इन दोनों चीजों को देख कर डर जाता है। वहाँ से तुरंत चला जाता है उसे घबराहट होने लगती है, पसीना छूटने लगता है। ग्रेस को घबराया व डरता हुआ देखकर एक कर्मचारी सोच में डूब जाता है। कर्मचारी मन ही मन में सोचने लगता है कि मालिक टोपी और मैन्सू कार्ड को देखकर डर क्यों गए और सोचते-सोचते कर्मचारी सपने में खो जाता है। ग्रेस का एक करीबी दोस्त जो कि बहुत अमीर था। उसके दोस्त का एक बच्चा था जिसका नाम करिअस था। उसके दोस्त का एक रेस्टोरेंट भी था। अचानक एक्सीडेंट में ग्रेस के दोस्त की मृत्यु हो गई। उसके दोस्त और दोस्त की पत्नी दोनों ही मर गए लेकिन उनका बच्चा करिअस बच जाता है। कोई दोस्त या रिश्तेदार ना होने की वजह से करिअस ग्रेस के पास रहने लगा। एक दिन ग्रेस ने अपनी

पत्नी से कहा क्यों न हम करिअस को उसके रेस्टोरेंट में ले चले ग्रेस की पत्नी ने कहा ठीक है हम चलते हैं। वह तीनों रेस्टोरेंट में पहुँच जाते हैं। वहाँ पर पहुँचने के बाद ग्रेस अपनी पत्नी से कहता है कि हम दोनों यानी करिअस और ग्रेस टेरेस पर जा रहे हैं, तुम रेस्टोरेंट के मैनेजर को बोलकर डिश तैयार करवा दो। ग्रेस की पत्नी बोलती है ठीक है मैं जाती हूँ। मैनेजर वेटर को बोलता है वेटर, ग्रेस सर टेरेस पर है उनसे पूछ कर आओ कि वह क्या खाना पसंद करेंगे। वेटर मैन्सू कार्ड लेकर चला जाता है। वहाँ पर वेटर ने देखा कि ग्रेस सर ने एक बच्चे को टेरेस से नीचे फेंक दिया वेटर ने जल्दी से जाकर देखा तो वह बच्चा और कोई नहीं बल्कि करिअस ही था। यह सब देख कर वेटर घबरा गया उसके हाथ में से मैन्सू कार्ड गिर गया साथ में नीचे देखते वक्त उसकी टोपी भी गिर गई। वेटर घबरा गया वह डर गया, ग्रेस ने कहा अगर तुमने यह बात किसी को बताई तो मैं तुम्हें भी ऊपर से नीचे फेंक दूंगा। वेटर नीचे डरता-डरता जाने लगा ग्रेस सोचने लगा अगर इसने मेरी सच्चाई किसी को बता दी तो फिर मेरा क्या होगा तभी ग्रेस पीछे से वेटर के सर पर भी एक डंडा मार देता है और वेटर को जमीन में दबा देता है। ग्रेस वेटर को दबाने के बाद जल्दी से अपनी पत्नी के पास पहुँचता है और कहता है कि मेरे पास किसी का कॉल आया, मैं किसी से बात कर रहा था मैंने तभी देखा कि अचानक कुछ गिरने की आवाज आई है और मैंने देखा कि करिअस गिर गया। उसकी पत्नी घबरा जाती है और बोलती है, मैं पुलिस के पास कॉल करती हूँ और ये मर्डर एक हादसा बनकर रह गया। ग्रेस ने उस बच्चे को मार दिया केवल उसकी संपत्ति के लिए करिअस की मृत्यु के बाद रेस्टोरेंट ज्यादा नहीं चला। लोग रेस्टोरेंट को भूतिया रेस्टोरेंट कहने लगे और रेस्टोरेंट बंद करवा दिया गया। कर्मचारी के सोचने के बाद, उसने देखा कि यहाँ पर ग्रेस की पत्नी आई है। उसकी पत्नी उस रेस्टोरेंट पर आई है जहाँ पर खुदाई चल रही थी। कर्मचारियों ने यह सब बात उसकी पत्नी को बताई कि ग्रेस किस तरह से डर कर भाग गया। उसकी पत्नी ने कर्मचारियों से कहा कि मेरे पति को फोबिया नाम की बीमारी है। जब वह अपने दादाजी से जुड़ी हुई कोई चीज देखते हैं तो वह डर जाते हैं। यह अपने दादाजी वाले सदमे से बाहर नहीं आए हैं तभी कर्मचारी ने कहा दादा जी वाला सदमा, उसकी पत्नी ने कहा हाँ दादाजी वाले सदमे। एक दिन की बात है यह अपने दादाजी के साथ अक्सर इस रेस्टोरेंट में आते थे तब ये छोटे थे। ये मैन्सू कार्ड में से एक अपनी मनपसंद चीज बनवाते थे। इनके दादा जी को बहुत अच्छा खाना बनाना आता था। यह रेस्टोरेंट भी उनका ही था। एक दिन अचानक इनके दादाजी की मृत्यु खाना बनाते वक्त हो गई तब ग्रेस वहाँ पर ही थे। दादाजी को यूँ मरता देख ग्रेस को गहरा सदमा पहुँचा क्योंकि दादा जी की मृत्यु इनके सामने हुई थी। इनके दिल और दिमाग में आज भी डर सताता है और यही कारण है कि ग्रेस डरकर और घबराकर यहाँ से चले गए।

वर्षा भड़ाना

एम.ए.जे.एम.सी.-द्वितीय वर्ष



Understanding Crime: Trends, Causes and challenges in 2025

Crime remains a critical social issue worldwide, impacting corporates, economics and governance. The landscape of crime is continuously evolving, influenced by economic factors, technological advancements, and law enforcement strategies. Recent data from authoritative sources offers insight into current state of crime, its predominant types and the ongoing challenges faced by societies today.

Overview of crime trends in 2025

Globally, crime rates are showing varied patterns depending on the region and types of offense. For instance, in India, the overall crime rate slightly decreased by 0.6% in 2025 compared to previous year, with 445.9 reported crimes per 100,000 people despite this overall dip, specific crimes such as rape saw an increase of 11% and kidnapping surged by 5.1% Urban areas, in particular, continue to experience higher crime incidences than rural regions. The most common crimes recorded include theft, robbery and assault, with states like Uttar Pradesh, Kerala, Maharashtra, Delhi and Bihar reporting the highest crime rates. Additionally the rise in cyber crimes and domestic violence signals a shift in criminal activities that need urgent attention. These trends highlight that while law enforcement efforts have curbed some offenses, other criminals continue to escalate, demanding targeted interventions.

Challenges in crime control and prevention

Despite improvement in some areas, modern societies face several challenges in crime control:

Resource constraints: Many police forces and judicial system operate under limited budgets and staff shortages, hampering effective crime investigation and protection.

Training and Technology: The need for better trained personnel equipped with modern technology is critical to improving crime detection and prevention, especially in combating cyber crime.

Community trust and legislation and policy, any more.

In summary, while crime trends in 2025 show some promising declines in overall rates, emerging threats like cyber crime and persistent issues such as domestic violence require ongoing focus effective law enforcement, coupled with social and technological strategies, is key to

creating safer, more resistant societies in the future.

In shadows deep where silence grows,
The seed of fear and sorrow sows,
but right can break the darkest night,
when justice rises, strong and bright

Kajal

B.Sc (Final Year)

Roll No. 12429910 (01)



Operation Sindoor

Operation Sindoor was a powerful and strategic military action launched by India on 7th May 2025. It was carried out in direct response to the Pahalgam terror attack on 22nd April 2025, where 26 innocent lives were lost. This attack deeply shocked the nation and demanded a bold reply.

The operation targeted nine major terrorist camps located in Pakistan and Pakistan occupied Jammu and Kashmir (POJK) These camps were linked to dangerous Jaish-e-Mohammed, Lashkar-e Taiba and Hizbul. Including the Armed officer, Army, Air force and Navy, came together for this joint mission. The operation was carefully planned and led by senior officers wing commander Vyomika Singh and Colonel Sofiya Qureshi.

India used advanced weapons like scalp cruise missiles, hammer bombs and loitering munitions to destroy targets with great accuracy. These weapons helped minimize damage to civilians while hitting enemy bases with precision.

The name "Sindoor" was chosen as a tribute to the widows of those who died in the "Pahalgam attack" representing both sacrifice and strength Operation sindoor sent a strong message that is India will not tolerate terrorism and is fully capable of defending its people. The operation united the nation and reminded everyone of the courage and commitment of our defence forces. It is a proud moment in India's fight against terrorism.

Kajal

B.Sc - 2nd Year

Roll No. 07



Article on Doctor:

Doctors are responsible for increased life expectancy and improved well-being in society. People who survive diseases such as cancer usually own their survival to doctors whose skills and dedication are vital for their cure. Indeed, doctors play a significant role in our lives. A doctor is a person with extensive knowledge in the domain of medical science, who applies and dedicates his knowledge to identify the medical problem faced by the patient and then uses his skill to prevent or cure it. Physicians should be personable, great listeners and empathetic to the concerns of their patients, he elaborates. "They should not be condescending or arrogant. They should treat others as they want to be treated." "There actually many good reasons to see a doctor regularly even when you feel fine. The most important reason is that some serious illnesses require treatment before you fell or recognize them, such as heart disease, thyroid disorders, Kidney issues and cancers such as of the prostate, colon and breast. Tom Catena, M.D., has been described as "the world's most important doctor," and he is to more than a million patients. That's because the 55 years old American doctor is the only surgeon for 1.3 million people in the Nuba Mountains of Sudan a region nearly twice the size of Massachusetts

Nandni

B.Sc 2nd Year

Roll No. 1242991014



Nation and Nationalism

A concept of a nation is more than a geographical boundary or a political unit. It is a community of people bound together by common history, culture, language and aspirations. A nation represents both and emotional bond among its citizen and a collective identity that distinguishes one group of people from another over centuries, this idea has evolved from tribal affiliations and monarchies into modern nation states, reflecting the aspiration of people to live under a shared identity.

"A nation is not just land, but the soul of its people:"

Nationalism on the other hand, is the feeling of pride, loyalty and devotion towards one's nation. It emerges strongly over 18th and 19th century during the struggles of independence in Europe, Asia and Latin America for colonized societies, nationalism became a force of liberation, inspiring freedom movement in India, Africa and

other parts of the world. It unified people of diverse background under a single banner of self - determination and sovereignty.

"Nationalism is the fire that ignites freedom" from a perspective, nationalism plays a crucial role in building unit and solidarity among citizens. It encourages people to place collective interest above personal gain, fostering societies and responsibility. Nationalism often fuels progress in fields like defence, the "Indian independence movement" was deeply rooted in nationalism ideas that motivated millions to struggle against colonial rule in India. Similarly. Nationalism has helped preserve indigenous languages traditions and cultural pride in many societies. "Nationalism unites hearts, builds strength and inspires progress."

Another perspective views nationalist as evolving with globalization. In the world where communication, trade, and migration connect people across borders, the rigid boundaries of nationalism faces challenges some thinkers believe nationalism must co-exist with internationalism balancing pride in one's nation with responsibility towards humanity issues like climate change, global health crises and terrorism cannot be solved by one nation alone they require collective effects "True nationalism is love for one's country with respect for all humanity."



Save Water

Water is the most valuable resource as life cannot be imagined.

Human being and all other animal cannot survive without water. Plants also need water to grow and survive as we. Human beings use water in different activities. Water is used in cleaning clothes and utensils cooking food items cultivating crops, gardening etc.

Almost 71% of the earth surface is covered with water. But only a little amount of pure drinking water is present on earth. so there is a necessity of save water.

Wastage of water needs to be controlled. Water can be saved in many ways.

There are 100 ways to conserve water. the best way to conserve water is rain water harvesting we can save water from polluted. A lot of awareness is required among people to save water from being wasted.

Saving water is crucial for both individual well being and the health of the planet, requiring conscious efforts to reduce waste and promote conservation.

Causes of water Wastage:

Leakage and inefficient infrastructure: A significant amount of water is lost due to leaking pipes, faulty plumbing and an inadequate water management system.

Excessive Water use: inefficient irrigation practices, over watering of lawns and wasteful water habits in household contribute to water depletion.

Pollution: Industrial effluents, agricultural runoff, and improper waste disposal contaminate water sources making them unusable.

Climate change:

Altered rainfall patterns, droughts and extreme weather events exacerbate water scarcity.

Dimpal

B.Sc - 2nd Years

Roll No. - 1242991016



“Riddle”

1. What has four legs but can't walk?
- A table
2. What is always coming but never arrives?
- Tomorrow
3. What can travel around the world while staying in a corner?
- A stamp
4. What has teeth but can't bite?
- A comb.
5. What can you catch but not throw?
- A cold.
6. What has eyes but can't see?
- A Potato
7. What gets wetter as it dries?
- A towel

Jyoti Javitri

B.Sc. Physical Science

2nd Year



College Life

When the lights go up on stage, music fills the air, and students come together in a whirlwind of colours creativity and camaraderies, something magical happens: a college festivals begins.

A stage beyond the classroom

College is often seen as an academic journey, but festivals provide a stage where students can express themselves beyond textbooks and exams. For some, it's the first chance to sign before a crowd, lead a team, or showcase artistic flair.

Building Communities and Friendships

Festivals blur the line between departments, years and sometimes even campuses. They create spaces where students from diverse background work together - designing sets, managing budgets, rehearsing performances, or handling publicity. The teamwork fosters leadership, negotiation skills and most importantly, friendship that often last a lifetime.

A Canvas of Cultural Identity

Cultural Festivals celebrate traditions while embracing modernity. Whether its classical dance, street plays, or contemporary music, they allow students to connect with their roots and also experiment with global influence. In doing so, they craft a unique culture identity one that reflects both where they come from and where they aspire to go.

Disha Kumari

B.Sc - 2nd Years

Roll No. 27

Positive and Negative Effects fo Social Media in India

Social Media has rapidly transformed communication and lifestyle in India over the past decade with platforms like facebook, Instagram, youtube and whatsapp connecting million, it has become an inseparable part of everyday life. While social media has created opportunities for growth. It has also introduced challenges that affect individuals and social at large.

Positive Effects

1. Connectivity and communication

Social Media has made it easier of people to stay connected with family and friends across distances. It has bridge geographical gaps and enabled instant communication.

2. Business and employment opportunities

Social media has given voice to margenalize groups, promoting equality and awareness. Movements such as #MeToo in India gained momentum through these platforms.

Negative Effects

1. Addiction and Time waste

Excessive use to social media often leads to addiction, reducing productivity. It leads to less focus on studies or work. Many young people spend hours scrolling rather than engaging in meaning ful activities.

2. Mental Health issues

Overexposure to unrealistic lifestyles, online bullying and constant comparison can lead to anxiety, depression and low self esteem, especially among teenagers.

Conclusion

Social media in India is a double edged sword .It has revolutionized communication, education and business, but it also poses risks related to mental health, privacy and social harmony. The key lies in using these platforms responsibility, balancing online and offline life and promoting digital literacy to ensure that the benefits outweigh the drawbacks.

Mohini Kumari
B.Sc. - 2nd Years



Digital Skills Every Student Must Learn

In today's fast - changing world, digital skills are no longer optional they are essential. For students, learning digital skills means preparing for a futures where technology plays an important role in every field, whether it is education, business, healthcare or communication.

One of the most important skills is basic computer literacy - knowing how to use Ms office, Google tools, and email effectively. Along with this, internet research skills help students find reliable information instead of depending only on text books.

Another valuable skills is coding and programming basics. Even if a student does not want to become a software engineer, understanding the logic of coding develops problem - solving and analytical thinking, similarly, digital communication skills such as using video conferencing platforms, writing professional emails, and creating presentations are must have abilities in the modern work place.

In the age of social media, digital marketing and content creation are also becoming popular skills. Students who learn how to create meaningful digital content can build personal brands, earn online and connect with a global audience.

Finally, the most crucial skills is cybersecurity awareness. Students must know how to protect their personal data, use strong passwords and stay safe from online fraud.

In short, digital skills empower students to learn faster, work smarter and stay ahead in the competitive world. By mastering them, students not only prepare for jobs but also for a smarter and more confident life.

Mahima Vishkarma
B.Sc - 2nd Year
Roll No. 42



The Wonders of Science

Science is an integral part of our daily lives, from the smart phones in our pockets to the medical breakthroughs that saved countless lives. It is a systematic method of exploring world around us, asking questions, and seeking answers, through observation, experimentation and evidence based reasoning.

Branches of Science

Science has many branches that focus on different areas of study.

Some Major Branches

1. **Physics** - Study of matter, energy and fundamental forces.
2. **Biology** - Study of living organisms and life processes.
3. **Chemistry** - Study of substances their properties and reactions.
4. **Astronomy** - Study of celestial objects and the universe.

Types of Science

Science is a broad field with many branches that explore different of the natural world.

Main types of science

1. Physical Sciences - Study of non living systems like physics, chemistry, astronomy.
2. Life sciences - study of living organisms like biology, botany, zoology.
3. Earth Sciences - study of earth like geology, meteorology, oceanography.

Impacts of science on society

Science has a profound impact on society, shaping how we live work, and interact: from technological innovations, science influences many aspects of daily life.

Key impacts of science on society

1. **Healthcare improvement:** Science leads to vaccines, treatments and diagnostic tools that save lives.
2. **Technological Innovations:** Science drives development of computers, smart phones and the internet.
3. **Environmental Understanding:** Science helps address challenges like climate change and pollution.

Aspect of Science

Science encompasses various aspects that contribute to our understanding of the world and drive innovation.

Key aspect of science

1. **Observation and Experimentation-** Science involves phenomena and conducting experiments to test hypotheses.
2. **Theory and Explanation** - Science develop theories to explain observations and predict outcomes.
3. **Application and innovation** - Science leads to practical applications and technological Innovations.

Wonder of science

1. **Means of Transport** - There are many ways of transport, Buses, cars, trains, ship and airplane etc.
2. **Means of communication** - There are many means cinemas and wire less are means of communication.
3. **Electricity** - Electricity is a wonderful boon of science. It light our house and room at night. It changes right in to days. It run machines cooler, T.V. etc.
4. **Medicine and Surgery** - Science has given wonderful medicines diseases like polio, cholera, small pos etc. It has brought down the death rate. Modern Surgical equipments have made operation less painful.
5. **Computer** - Scientists have invented computers. These are wonderful Invention. Computers can do completely calculations and work quickly. They have solved a lot of problems of man.

Soniya

B.Sc - 2nd Year

Roll No. 1242991046



POEM ON AI (Artificial Intelligence)

Machines that think, machine that learn,
with every code, new paths they turn.
from guiding cars to healing pain.

AI brings Sunshine after rain.

It speaks like us, it sees the skies,

It answer questions, it never lies.

A friend, a tool, guiding light,

Turning darkness into bright.

But with its power, we must stay wise.

For dreams can change before our eyes.

AI's a gift, if handled right.

A future glowing, bold and bright.

Neha Kumari

B.Sc - 2nd Year

Roll No. 41





INDIAN EDUCATION SYSTEM

"A child without education is like a bird without wings.".....

Education plays a vital role in increasing the knowledge, skills and productivity of a nation. India, a land of ancient wisdom and knowledge, has always placed education at the heart of its civilization. Takshashila was the earliest recorded centre of higher learning in India from at least 5th century BCE, and Nalanda University, established in the 5th century CE, is regarded as the world's first residential university. With the advent of the British, Western education became ingrained in Indian society. Great philosophers like Swami Vivekananda emphasized that "Education is the manifestation of the perfection already in man." Education is not merely for passing examinations, it helps the students discover their potential, develop skills, and contribute to the progress of the nation.

Modern India has made significant progress in expanding access and excellence in education, yet challenges like learning in equality and slow innovation remain. To address these, the right to Education Act, 2009 made education a Fundamental right for children aged 6-14, marking a historic milestone in India's democratic journey.

In recent years, the National Education Policy (NEP) 2020 has brought a transformative approach. It focuses on mainly multidisciplinary learning and vocational training, critical thinking and conceptual clarity, digital learning and soon.

A strong education system is the backbone of any nation. By ensuring quality, accessibility, and innovation in education, India can transform itself into a knowledge powerhouse and achieve sustainable growth in the 21st century.

Yashika

B.A - 2nd Year



THE MAGIC OF PRIME AND CARTOONS

"Cartoons touch the heart Anime touches the Soul"

The Magic of Anime and Cartoons :- In our busy lives, everyone needs a little escapes- a world full of colors, imagination, and endless adventures. That magical world is found in anime and cartons. Whether it's the childhood joy of watching cartoons or the thrill of anime stories today, these creations have the power to make us laugh, cry and dream beyond limits.

A World of Imagination:- Cartoons and anime open the doors to creativity. They take us to places that do not exist in reality-talking animals, superheroes, magical lands and futuristic cities. Through them, impossible things became possible, teaching us that imagination has no boundaries.

Emotions and Life Lessons:- Behind the fun and entertainment, both anime and cartoons teach us valuable lessons.

Cartoons often highlight friendship, honesty and courage. Anime goes even deeper, exploring them like sacrifice, love, teamwork and never giving up. They connect to our emotions in a way that feels real, even if the characters are drawn.

A Universal Language:- No matter where we are in the world, anime and cartoons bring people together. Kids, teenagers, and even adults enjoy them. Shows like Doraemon O Shinchon are loved by children, while anime like Naruto or Demon Slayer inspire millions globally. They remind us that stories can cross all barriers of culture and language.

Why We Still Love Them:- Even as we grow older, cartoons and anime remain special. They are not just for kids---- they are a way to relax, to laugh after a stressful day, or to find inspiration when life feels tough. They keep the child within us alive.

Conclusion : MORE THAN JUST ENTERTAINMENT The magic of anime and cartoons lies in their ability to touch hearts, spark creativity and bring joy. They are not just drawings on a screen, they are lessons, emotions and dreams brought to life. Truly, "Cartoons make us feel, and together they make life more colorful."

"Anime aur Cartoons –

Kalpana se pare, Dil ke sabse kareeb!"

Muskan Kumari

BJMC - 1st Year



SOCIAL MEDIA : A BOON OR BANE FOR TODAY'S YOUTH

"Scroll wisely- your future is in your hands"

The Rise of Social Media :- In today's digital age, Social media has become a lifestyle. From morning alarms to late-night scrolling, it surrounds our routine. For the youth, Platforms like instagram, youtube, and linkedin are not just for entertainment but also for learning connecting and exploiting opportunity with a single click, they can access knowledge, build friendships and even showcase their talents to the world.

The Dark Side Of Social Media :- Along with its benefits, social media also has drawbacks, endless scrolling wastes valuable time, while the pressure of showing a "Perfect life" often creates stress and anxiety. Cyber bullying, fake news and online scams are rising concerns. Moreover depending too much on virtual connections can weaken real life relationship and bonds.

Boon or Bane:- Like fire, Social media can either cook food or burn a house – it all depends on how it is used. If handles wisely, it brings knowledge opportunities and global connection. But when misused, it can trap the youth in distraction and negativity.

More Screen Less Playground:- Today's youth spends more time with phones in their hands than games on the playground. The fun of outdoor activities is slowly being replaced by endless scrolling. This not affects physical mental health.

Connected Yet Lonely:- With thousand of online friends and followers, one night expect the youth to feel more connected than ever. Ironically, many feel lonelier because digital connections often lack the depth and comfort of real human.

Likes Bring Joy Ignores Bring Stress:- The happiness of today's youth is often measured by likes and comments and shares while a single like can bring excitement, a lack of attention can cause stress and self-doubt. This silent pressure is one of the biggest mental health challenge linked to social media.

Conclusion:- Social media is neither fully good not entirely bad. It's impact depends on how we use it. If handle wisely, it can be a tool for growth and connections, but if misused, it can easily become a source of distraction and stress. The choice is always in our hands.

**"Let's not be slaves of Social media,
but masters of its use."**

Nisha

BAJMC - 1st Year

Roll. No.- 1250472017



CYBER CRIME : THE INVISIBLE THIEF OF THE DIGITAL WORLD

"Secure your net, Secure your Life."

Cyber Crime: The Invisible Thief of The Digital World :- In today's fast-growing digital age, the internet has become our best friend. We shop, study, entertain ourselves and even manage money online. But behind this comfort lies a hidden danger- cyber crime. Just one wrong click can lead to a big loss.

What Is Cyber Crime?

Cyber Crime is any illegal activity that takes place using computers, smartphones, or the internet. Unlike traditional crimes, here the criminal may be miles away but can still harm us within seconds.

Common Types of Cyber Crimes

Hacking- Breaking into accounts on systems without permission.

Phishing- Fake emails or messages asking for passwords or bank details.

Online Fraud- Fake shopping sites, lottery scams, or money traps.

Identity Theft- Stealing personal details and pretending to be someone else.

Why Cyber Crime is Dangerous:- Cyber crimes are dangerous because they attack not only our money but also our privacy and peace of mind. Victims may lose their savings, personal photos, or important information. Many people even suffer from emotional stress because their online identity gets misused.

How To Stay Safe Online - Never share personal details like passwords or bank information. Use strong, unique passwords for every account. Do not click on unknown links or download suspicious files. Always check before making online payments. Report and block bullies or suspicious accounts.

Conclusion:

Awareness Is The Best Defence:- Cyber crime is not just a crime of technology, it is a crime against trust. The internet was made to connect us, not to harm us. If we remain careful, alert and responsible, we can enjoy the benefits of technology without falling into its traps. Remember.

**"Think Before You Click –
Yours Safety is in your hands."**

Roshni

BAJMC - 1st Year



CYBER SECURITY AND DATA PRIVACY

Introduction:- Today, we all are living in a digital world where almost everything is connected to the internet. We use online, banking, shopping apps, social media, and many digital services every day. These things make our life easy, but at the same time, they also bring risk. Cyber Security and data privacy are very important to keeps our personal information safe from hackers and fraud.

Meaning of Cyber Security:- Cyber Security means protecting computers, mobile and online networks from attacks. It saves us from hacking, viruses, phishing and online fraud without cyber security, our digital life can never be safe.

Meaning of Data Privacy:- Data privacy means keeping our personal details safe. Apps and website collect our name, phone number, address and bank details. If this information goes to the wrong person, can be misused. Data privacy ensures control over our own information.

Importance in Today's Life:-

- Protects personal and banking details.
- Builds trust between users and companies.
- Helps in safe digital transactions.
- Necessary for national security and economy.

Major Challenges :-

- Hackers create new tricks every day.
- People use weak password.
- Lack of strict cyber laws in some places.
- Shortage of cyber experts.

Solutions and Safety Measures:-

- Use strong and unique passwords.
- Update apps and devices regularly.
- Avoid sharing personal details everywhere.
- Government should make strict cyber laws.
- Conduct awareness programs for people.

Conclusion:- Cyber security and data privacy are essential in the digital age. If we are not careful, our data can be stolen and misused. By following safety rules and making strong laws, and aware for our data, we can build a safe and trusted digital world for everyone.

Tanya

B.C.A (2nd Year)
Roll No.30



- In the Halls of learning where dreams take flight
- We weave our hopes in the bright light
- It a step towards our future not settled yet!

- The page turn with each new day
- We envision our own way with every struggle and cheer.
- We carve our paths with visions clear
- When you find the road under when you are stuck and doubts appear
- Remember this when you strength will show
- will lead to where your dreams glow.
- In every stumble, in every climb.
- We should have courage and create the time.
- Eyes to stars and heal hearts in sky.

We reach the goals which seems to fly

Komal

Roll No. 72

NATURE



Nature is the fundamental force and environment that sustains life on earth encompassing everything from the air we breathe and water we drink to the trees,

animal, mountains and river around us. It is often described as a nurturing mother because it provides us with essential resources like food, Oxygen, Shelter and sunlight. Nature plays a vital role in maintaining ecological balance and biodiversity through the interconnected relationship of all living and non-living components.

The beauty of nature offers not only physical sustenance but also emotional and mental well-being. Being in natural surrounding can bring a sense of calm and peace with the sounds of birds, the rustling of leaves and fresh air rejuvenating our senses. However, human activities such as deforestation, pollution, and over consumption have endangered this balance, leading to climate change, loss of species and environmental degradation. Preserving nature is critical for the survival of future generations. Simple plastic use saving water and keeping the environment water and keeping the environment clean can collectively protect nature. Moreover, nature teaches us profound lessons about life, adaptation and resilience.

Throughout history, many poets and philosophers have celebrated nature's beauty and its vital role as a teacher and healer. The health benefits of fresh air and natural environment have been recognized worldwide making nature essential not only for survival but also for quality of life. If we respect and protect nature, we ensure a sustainable, greener planet for all forms of life.

In essence, nature is a priceless gift that nurtures everything around us making it imperative to cherish and safe guard it for a balanced and thriving earth.

This summary draws on a range of prospect including scientific, ecological and culture views of nature as a life sustaining and spiritually enriching force.

Nancy

B.Sc. - 2nd Year
Roll No. 48



You are the laugh in my silence,
The steady hand when a fall
A Secret Keeper, a dream believer,
The truest friend of all

Through storms and days of Sunshine,
You've walked this road with me

Proof that home's not just a place,
But who we choose to be.

So here's to every to every moment,
Each memory we've yet to find,
for best friends aren't just people,
They 're family intertwined

Muskaan

B.Sc. - 2nd year



On June 12, 2025 a catastrophical aviation disaster struck Ahmedabad, Gujarat. Where Air India flight 171, a Boeing 187-8 Dreamliner, crashed shortly after takeoff. This incident resulted in the loss of 260 lives, including 242 people aboard and 18 individuals on the ground. It marked the first fatal crash involving a Boeing 787 aircraft.

Many of them students and residents near the crash site. Among the deceased was former Gujarat Chief Minister Vijay Rupani, Identified through DNA testing. Remarkably one passenger survived. Marking it a rare case in survival in such a catastrophic crash.

Investigations launched by the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) and the Aircraft Accident investigation Bureau (AAIB), with support from global experts including the USTSB, FAA, Boeing and Lie Aerospace, revealed shocking preliminary findings. The fuel control switches, responsible for supplying fuel to engines, moved from "Run" to "Cutoff" seconds after takeoff, leading to a total loss of thrust. Whether this was mechanical, malfunction, design issue or human error remains under investigation

The aftermath saw emergency corridors mass rescue efforts and hospitals placed on high alert. The Tata group which owns Air India, announced Rs .1 Crore compensation per victim and pledged full medical support for survivor, leaders including Prime Minister Narendra Modi and International Governments expressed condolences.

This tragedy has sparked urgent debates on aviation safety crew training and aircraft inspections. While grief surrounds the victims families the incident also serves as grim reminder of the need for strict safety checks and global accountability in air travel.

Anjali Kumari

BCA - 2nd Year

Roll No. 1



ARTIFICIAL INTELLIGENCE

MEANING

'AI' stands for Artificial Intelligence, in which artificial means man-made and intelligence means the ability to think and learn. Artificial Intelligence means the aptitude of a machine and computer to think and learn like a human being.

AI is already a part of our lives, even if we do not always notice it. For example when you ask your phone to set an alarm or play music, that's AI, when you shop online and see product suggestions, AI is working behind the scenes, even when you talk to our smart phone's voice assistant like Siri or Google assistant. AI helps understand your words and give you answer.

PROS

Artificial Intelligence (AI) has many pros which makes our life easier. The biggest advantage of AI is that it can work very fast and without getting tired. AI is used in most of the fields like healthcare, banking, accommodation, airline service location guidance, business, education and transportation. It is also used in software development that helps and makes programmer's job very easier and quicker most of the developer use AI to solve their queries and make their projects appearance more accurate. In transportation, self-driving cars, and GPS Navigation are one of the most examples of AI.

AI is most in demand in banking, healthcare, education and business because it helps in many useful ways. In banking, AI makes transactions safe and detect fraud quickly. In health care, it helps doctors in diagnosis and in education and business it improves decision making, customer service and online learning etc.

CONS

We all know that there are many pros of AI but apart from the pros, AI also has many cons. AI machines can do human work faster, so many people are facing lots of difficulties to find job in every sector. AI systems are very expensive to build like a hospital using AI machines has to spend crores on technology, AI can be used in hacking making fake news and harmful weapons so, even though AI is powerful, it also brings many problems if not used carefully.

In conclusion, AI is great technology that can make our life easier, faster, and smarter. But at the same time, it also has some problems like job loss and misuse. So we should use AI in the right way. If we balance it pros and cons, AI can truly become a helpful tool for future.

Durga

BCA - 2nd Year

Roll No. 29





STOCK EXCHANGE & COVID-19

A stock Exchange is centralised location where the shares of public traded companies are brought and sold. It is also known as stock Market, India primarily has two Stock exchanges.

- i) The Bombay stock Exchange (BSE)
- ii) The National stock Exchange (NSE)

Investors can trade on these exchanges for either the short term (debt investments) or the long-term (equity investments)

Stock Market During Covid-19

On 20 February 2020, stock markets across the world suddenly crashed after growing instability due to the COVID-19 pandemic. The crash ended on 7th April 2020. Beginning on 13 May 2019, the yield curve on U.S. Treasury securities inverted and remained so until 11 October 2019, when it reverted to normal after the outbreak of the Covid-19, the stock market came under fear as BSE sensex and NSE Nifty fell by 38%. It leads to a 27.3% loss of the total stock market from beginning of this year. The economic and social disruption caused by the pandemic is devastating tens of millions of people are at risk of falling into extreme poverty from April to June 2020, India's GDP dropped by a massive 24.4%

The five industries most affected by Covid-19 over the period January 2, 2020 to January 15, 2022 included:-

Airline; Automobiles; Energy Equipment & Services; Hotels Restaurants & Leisure; and Speciality Retail.

During December 31, 2019 to March 31, 2020, the Nifty 50 declined by 29.3% which was the lowest quarterly fall since June 1992 when it has fallen by 32.2 percent. The sensex had declined by 37.9% during the same quarter.

Recovery in the Current times

An unfortunate pandemic, the Covid-19 has resulted in an economic, financial and medical crises in the country. These are tough time but humankind is known to be tougher.

To revive the economy and boost the business, a smart recovery plan is essential.

The country needs to focus on attracting foreign investments and must reduce importing products. The RBI

and the government of India has come up with a number of reforms such as reductions of repo rate, regulatory relaxation by extending moratorium and several measures to boost liquidity in the system in response to current situation and keeping in mind the chaos the pandemic has created.

As for the outlook for the market, looking back at its history we know for sure that a crisis however long doesn't last forever. Drops in BSE sensitive index are temporary and each dip provides investors with the opportunity to enter the market and earn a higher return especially for those with long term horizon. Moreover, the higher the fluctuations, the higher the chances of getting better return. The world is competent enough to come up with answer to combat the pandemic.

Kajal Verma

B.com 3rd Year - Roll No. 144



THE HABIT THAT SHAPES DESTINY- DISCIPLINE

"Discipline creates habits. Habits shape routine. Routine defines who you become daily."

Discipline is one of the most important personality traits in everyone's life. It refers to rules and regulations which are to be followed while doing honest, hard-working motivated and encouraged while doing any task.

'life Without Discipline Is Just Like A Ship Without A Rudder.'

For students life, discipline plays a pivotal role in achieving success. Staying disciplined helps them study on time so that they are stress-free. It helps to stay mentally balanced and also prevents them from falling into depression. The well-disciplined student with a positive attitude in life and is focused. Someone with strong and dedicated goals is more organised and complete job on time. It helps the student to remain calm and composed, and get them ready for next task.

'Success Didn't Start With Talent, It Starts With Self-control.'

Discipline shapes character build self-control and strengthens determination. In every walk of life, It lays the foundation for true excellence.....

Anshika

B.A - 2nd Year



Role of Chemistry in Every Day Life

All physical and chemical processes occurring in this universe include chemistry. The living as well as soon living substance may be it a got, a cow, a brick a stone, a bed sheet. The food we eat are chemical products and the way in which they are converted into various.

Introduction: Chemistry is defined as the branch of science which deal with the composition of matter the physical and chemical changes which it undergoes and the laws which govern these changes.

Inorganic chemistry deals with the study of compounds of carbon. Carbon forms a large number of compounds with hydrogen and along with other elements.

Payal

B.Sc. - 2nd Years



College Life

Introduction:- College Life is an exciting journey transition that many embark upon as they transition from high school to a special place called a college.

Main Content: Today, I want to talk about my college life a time of learning, growth and fun, college is not about books. It's a place where we make friends, face challenges and discover who we are.

The principal/professors of our College are very nice. They organised new activities for us from time to time. There time also far adventures from campus event to spontaneous outing.

Conclusion: The campus pulses with energy as student hurry between lectures and hangout in cozy corners due College is the second step to my dreams.

Kajal Chandila

B.Com Final Year, Roll HO. 110

DIGITAL TECHNOLOGY

Digital technology refers to all electronic tools, systems, device, and resources that generate, store or process data in binary form, digital technology converts information into discrete numerical values making it faster, more accurate and more efficient.

Education:- Online learning platforms, e-books, Smart classes.

Healthcare:- Telemedicine, digital records, AI-based diagnosis

Business:- E-commerce, digital marketing, online transaction.

Government & Society: E-governance, online services digital payments.

Daily life: Social Media, Online Communication Smart devices.

High Speed:- Processes large amounts of data quickly.

Digital technology used fea:

- Computer & Laptops
- Smart phones & Tablets
- Internet & Cloud computing
- Artificial intelligence (AI) & Machine learning.
- Digital Media (Social Media, e-books etc)
- Online banking & E-commerce.

Rinki

BCA - 2nd year

Roll No. 18



The Art of slow living (Finding peace in a fast paced world)

In a world that rushes, I choose to stay, to breathe in calm and drift away. While others race through night and day, I find my joy in skies of grey.

I quiet walk, a cup of tea,
A book a breeze, the dancing sea.
No ticking clocks to chase my mind,
Just gentle moments, soft and kind.

I listen more, I worry less,
In simple things, I find success.
Not every path must lead ahead-
Some bloom beneath the steps we tread.

Yamini Sharma

B.A. - 2nd Year



MISSING YOU

My heart aches within from missing you.
My lips long for the feel of kissing you.

Right now all I need is to gently touch your skin
To look into your eyes and see deep within
Just one warm embrace
Just to look upon your face
Just one little touch
from the one I love so much
If I could gaze upon your smile
for just a little while
To know that you miss me too
As I'm thinking of you
To hear the sound of the breathe
knowing you 'll never leave
To see you walk up to me
Then embrace you tenderly
To just be with the one who's sent my heart reeling.
And brought about this downpour of emotion and feeling.
I sit here alone in my room tonight
And pray that some how his all turn out right
I've never been one to do more talking than giving
I'm not well off but I work talking then giving.
I'm not well of but I work hard for a living
I've told you many thoughts that weren't borrowed or
bought
And in life time, who would have thought
That I have found someone who was just meant for me
I can't explain the magic or why this should be
But there is one thing that I know for certain
That this just is n't over till one of us draws the final curtain
For I've seen an angel and I want you to know
If it's my choice to make, I'll never let you go.
Don't know what life holds, may be there's no reason or
shyme
To think you may be mine in a matter of time.
And though I cannot touch you and we are now apart.
My love, you do well, so deep within my heart.

- Fernando Alvarez

Mohini

B.A. - 2nd Year
Roll No. 23



THE ANT

A Tiny Creature with Big Lesson

Among all the tiny creatures in the world,
the ant is one of the most hardworking and
disciplined. Though small in size, it teaches us some of the
biggest life lesson - hard work, patience, teamwork, and
preparation.

A Life of Hard Work:-

Ants are always busy. They spend their days collecting
food, building tunnels and protecting their colony, You will
never see an ant sitting idle. Whether it's summer or winter,
ans are always working. Their dedication reminds us that
success only comes through consistent effort.

The power of Teamwork:

One of the most inspiring qualities of ants is their sense of
teamwork. They work together as a unit if one ant finds
food, it does not keep it for itself. Instead, into inform the
other, and they all work together to bring the food back their
next. They show us now powerful we can become when we
work with unity and cooperation.

Planning for the future:-

Ants never wait for the last moment. They store food in
advance so that they do not face problems during rainy or
cold seasons. This shows us the importance of planning
ahead and being prepared for difficult limes.

Overcoming Challenges:-

Despite their size, ants face every obstacle with courage. If
something blocks their path, they find a way around it or
over it. They never rive up easily. This teaches us that no
matter how small or weak we may fell, we can always find a
way to succeed if we stay determined.

Conclusion

The ant may be tiny, but the lessons it teaches are huge. In
a world where people often look for shortcuts, the ant
reminds us that hard work, unity, patience and preparation
are the real keys to success. So the next time you see an
ant, take a moment to observe and learn.

Bimlesh

B.A- 2nd Year
Roll No. 98

The Role of passion in Career choice

In the realm of career choices, passion play a pivotal role in shaping an individual's journey towards professional fulfillment, passion defined as a strong and barely controllable emotions. They often experience a deeper sense of purpose and engagement in their work.

Driving Motivation and Engagement

Passion in a career choice acts as a catalyst for motivation. When someone is passionate about their work, they are more likely to invest time and efforts into excelling in their field. This intrinsic motivation leads to higher levels of engagement and productivity passionate. Individuals tend to go beyond the minimum requirement seeking innovation and excellence in their works. For instance, a person who is passionate about technology might spend extra hours learning new programming languages or working on project that push the boundaries of what is possible.

Enhancing Job Satisfaction

Career choices driven by passion lead to greater job satisfaction. When works aligns with what an individual loves doing, It doesn't feel like a chore but rather an extension of their interests this alignment reduce stress and increases happiness in the professional environment. A graphic designer passionate about art, find joy in creating visually appealing content and is more likely to feel fulfilled by their work.

The main motive of the passion in career choice is to build a base of learning about perfection.

Considerations and Balance

While passion is significant factor, It's essential to balance it with practical considerations. Job stability financial implications and growth opportunities are aspects that cannot be ignored, sometimes, passion might lead to a career path that is not the most lucrative or stable. In such cases, individuals must weight their passion against practical needs for some, pursuing passion might mean taking calculated risks or finding ways to monetize their passion in a sustainable manner.

Development and passion in career

A career can develop over time. Initial interest might grow into passion gains experience and take on more responsibility.

Outcomes of passion driven careers

Career driven by passion often lead to better outcomes in terms of personal fulfillment and professional success. passionate Individuals are more resilient it the face of challenge and more likely to innovate and lead in their fields they brings a level of enthusiasm and dedications that can lead to break through and recognition.

In conclusion, the role of passion in career choice is significant in driving motivation, enhancing job satisfaction considerations, aligning one's career with their passion can lead to a more rewarding professional Journey. as individuals navigate their career paths considering their passion can guide them towards choice that lead to greater engagement and satisfaction.

Kajal Kumari
BCA - 2nd Year
Roll No. 7



The Importance of Education

Education is the foundation of human life. It is not merely a means of acquiring knowledge, but a powerful tools shaping personality, driving social progress, and building a strong nation.

An educated person not only improves their own life but also contributes positively to the development of society.

Personal Growth: Education helps individuals develop confidence, critical thinking and decision - making skills. It is the key to success in every aspects of life.

Economic Advancement: Educated people have access to better job opportunities and financial stability. Education is one of the most effective tools for eliminating poverty.

Social Improvement: Education promotes equality, tolerance and awareness. It helps break down superstitions and outdated beliefs, leading to a more progressive society.

National Building: An educated citizen understand their responsibilities and works for the betterment of the country. Education foster peace, development and stability in a nation.

Education is the light of life. It leads us out of the darkness.

of ignorance and into the brightness of knowledge. Every individual deserves the right to education, because only on educated society can built a prosperous and powerful nation.

Tannu Kumari
BCA - 2nd Year
Roll No. 27

The Beginning of the end or the ending to begin again

The chatter of chapters,
the looks from the books,
the person standing in front of the page & the one
who once was a great sage,
both once must be on the same stage.
yeah! yeah! Yeah!
It started where it ended to get started again

Manisha Mehta
M.A.J.M.C. (2nd Year)



GOOD BYE.....!

Goodbyes are hard, but new beginnings are exciting...
Goodbyes can be bittersweet, but they often pave the way for new experiences and opportunities.

One must embrace the change and look forward to newer n next that can make all the difference.
For all the college students, the farewells can be tough!
We all have spent 3 precious years building memories, friendships, and growing together. It's natural to feel emotional about parting ways. But remember, these experiences shape you into who you are today, and the bonds you formed will remain with you forever. The memories and lessons from your college days with phone gallery full of selfies n cherished moments, the exam time, the youth festival time and many more.
And finally, years after at a college reunion, these moments will combine with the achievements to celebrate..!

Sangeeta Kanjani
English LANGUAGE INSTRUCTOR
GCW, Faridabad

COMMERCE: The pulse of progress



Commerce is more than the exchange of goods and services—it is the backbone of modern civilization, the engine that drives economies, and the foundation of every successful enterprise. As we look at the world through the lens of trade, finance, and innovation, it becomes clear that the study of commerce is essential not only for understanding how markets work but also for shaping a sustainable and equitable future. The Commerce Department has long been a cornerstone of academic and professional excellence. Through rigorous curriculum, research-driven insights, and industry exposure, we prepare our students not just to adapt to the world of business—but to lead it. In this issue, we celebrate the achievements of our students and faculty who are continuously pushing boundaries—whether it's through start-up ventures, academic excellence, or community-focused initiatives. We also delve into pressing topics such as digital finance, ethical business practices, globalization, and the role of commerce in a post-pandemic economy. Our department remains committed to nurturing curious minds, fostering analytical thinking, and instilling values that make our graduates thoughtful leaders and responsible citizens. As you turn the pages of this magazine, may you be inspired by the stories of innovation, perseverance, and ambition that define the spirit of commerce.

Roopam Dora
Deptt. of Commerce



STAGE FEAR...WHY...?

Do u feel nervous facing the audience?
 Nausea, palpitations n then...
 give up..!
 Why..why...why...!

Want to overcome...

How...how...how...?

Want to go on Stage...

And heart says, 'not possible '.

But

Mind will definitely say, 'i can'

Fear says kill me dear...

Be confident with your gears..

And Start ...with your explored words n share ,share,
 share...

reach the audience..

That's what you are meant for...!

Sit in front of the mirror and

- Practice Practice Practice
- Research thoroughly on your content
- Dream big n positive
- Meditate to gain confidence
- Focus on the words and body language
- Go for technical rehearsal to acquaint with the setup
- keep saying, 'I can'

Sangeeta Kanjani

English LANGUAGE INSTRUCTOR
 GCW, Faridabad



Business Environment

Introduction: The business environment is a dynamic and complex ecosystem that effect the success of organizations. It encompasses various internal and external factors, including economic conditions.

Main Content : Key factors influencing the Business Environment

1. Globalization
2. Technological Advancements
3. Surtainability and Social Responsibility
4. Regulatory Frameworks.

Navigating the Business Environment

By understanding the internal and external factors that shapes the business environment organization can identify opportunities, mitigate, risk, and achieve tog long - term success.

Conclusion:- The business environment is constantly evolving, presenting both challenges and opportunities for organization. By staying informed, aelaptable and responsive, businesses can navigate this complex landscape and achieve success.

Mannu

B.Com Final Year
 Roll No. 36

प्रकृते: संरक्षणमस्माकं परं कर्तव्य



“माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः” अयमुद्घोषो वैदिको वर्तते। अस्यार्थो वर्तते यत् पृथिव्यस्माकं माता। वयं पृथिव्याः पुत्राः स्मः। अर्थात् पुत्रस्य मातरं प्रति यत् कर्तव्यमस्ति तदेव कर्तव्यमस्माकं पृथिवीमातरं प्रति वर्तते। वैदिककाले प्रकृतिरीश्वररूपेण मन्यते स्म यथा- अग्निदेवता, वातो देवता, सूर्यो देवता..... एतादृशानि नैकानि वैदिकवाक्यानि सन्ति येषु प्रकृतितत्त्वमीश्वररूपेण प्रदर्शितं परं वर्तमानकाले वयं विस्मृतवन्तः वैदिकज्ञानमस्माकं संस्कृतिं च। वर्तमानकाले मनुष्याश्चिन्तयति यत् स विकासस्य पथि वर्तते। इदं सत्यमपि यतो हि मनुष्येण प्रौद्योगिकीविकासो, भौतिकविकासो, वैज्ञानिकविकास आर्थिकविकासः च बहुकृतः परमेषु मनुष्यः विकासस्यास्यां यात्रायां स्वमातरमात्मनः सहचरीं प्रकृतिमेव विस्मृतवान्। यदि प्रकृतिर्निःस्वार्थभावनया परोपकारभावनयास्माकं कृते तस्याः साधनानि प्रददाति तर्हि अस्माकमपि कर्तव्यमस्ति तां प्रति। यजुर्वेदे कथितं “देहि मे ददामि ते” अर्थात् यदि प्रकृतिरस्मभ्यं ददाति, अस्माभिरपि तस्याः कृते दातव्यं परं आधुनिकसमये मनुष्यः प्रकृतिमुपेक्ष्य स्वविकासं कर्तुमिच्छति, स विकासाय प्रकृत्या सह दुर्व्यवहारमाचरति।

वैज्ञानिकन्यूटनमहाभागानुसारं प्रत्येकक्रियायाः समानप्रतिक्रिया भवति। यदि मनुष्यः प्रकृत्या सह दुर्व्यवहारं करोति तदा प्रकृतिरपि स्वयैव रूपं प्रदर्शयति। मनुष्यः प्रकृत्या सह दुर्व्यवहारं कृत्वा आपदः आमन्त्रयति। अस्माकं समक्षे एतादृशानि बहूनि उदाहरणानि सन्ति। यथा-

वर्तमानसमये देशस्य विविधप्रदेशेषु जलप्लवनस्य समस्याः प्रचलन्ति। उत्तरभारतस्थिताः पंजाब-हिमाचल-उत्तराखण्डप्रदेशाः बहुदुष्प्रभाविताः सन्ति। एताः दुर्घटनाः नूतनाः न, प्रतिवर्षं भूस्खलनं, गृहेषु क्षतिः, भित्तिभ्रंशाः, जलप्लावनम् इति दुर्घटनाः देशस्य विविधक्षेत्रेषु भवन्ति। एतासां दुर्घटनानां यदि कारणं वयं मार्गयामः, तर्हि वयं एव स्मः। अद्यत्वे मनुष्यः स्वविकासाय प्रकृत्या सह दुर्व्यवहारमाचरति। मनुष्यः प्रकृत्या सह दुर्व्यवहारं कृत्वा स्वयमेव आपदः आमन्त्रयति।

एवं प्राकृतिक-आपदाः देशस्य विविधप्रदेशेषु विदेशेषु च विविधकालेषु अभवन् भवन्ति च। केषुचित् प्रदेशेषु अनावृष्टिः भवति। केषुचित् प्रदेशेषु अतिवृष्टिः भवति।

पर्यावरणविद्भिः कथितं यत् आपदाः द्विधा भवन्ति- प्राकृतिक-आपदाः, मानवनिर्मित-आपदाः च। मानवनिर्मित-आपदाः सन्ति- भूस्खलनं, भूतापः, अतिवृष्टिः, अनावृष्टिः, जलप्लावनं.....च। एताः आपदाः सूचयन्ति यत् प्रकृतिः मानवस्य दुर्व्यवहारं न सहिष्यते। अतः अस्माकं कर्तव्यमस्ति यदस्माभिः सततपोषणीयविकासस्य अवधारणा स्वीकर्तव्या। मानवकेन्द्रितदृष्टिं परित्यज्य प्रकृतिकेन्द्रितदृष्टिः स्वीकरणीया। यदि प्रकृतिः न स्यात् तर्हि अस्माकं सत्तापि न स्यात्। प्रकृतेः संरक्षणम् अस्माकं परं कर्तव्यम्।

सोनिया वाशिष्ठः
सहायक-प्राध्यापिका

संन्यासी कः



संन्यासी को भवति यद्ययं प्रश्नः क्रियते तर्हि अनेकान्युत्तराणि भवितुमर्हन्ति परं सामान्यजनानां मान्यता एवमस्ति यत् यो गृहत्यागं करोति स एव संन्यासी भवत्युत वा यः स्वपरिवारं त्यजति, यः सामान्यवेशभूषां त्यक्त्वा साधुवेशं धारयति स एव संन्यासी भवति। इदं मतं भगवद्गीतानुसारं सत्यं नास्ति। भगवद्गीतायाः पञ्चमेऽध्याये लिखितमस्ति यत्

“जेयः स नित्यसंन्यासी यो न द्वेष्टि न काङ्क्षति।

निर्वन्दो हि महाबाहो सुखं बन्धात्प्रमुच्यते॥”

अर्थात् यो मनुष्यः द्वेषं न करोति, यो मनुष्यो नेच्छति, यो द्वन्द्वरहितः च भवति स बन्धनात् मोक्षमाप्नोति। स मनुष्यः एव संन्यासी भवति। यो मनुष्यो द्वेषं न करोति अस्य वाक्यस्य कोऽर्थः? अस्यार्थः भवति यो मनुष्यः परेषां सुखं दृष्ट्वा दुःखं न आप्नोति स मनुष्यो द्वेषरहितो भवति प्रायः संसारे किं भवति मनुष्यः स्वदुःखेन पीडिताः न परं परसुखेन पीडिताः सन्ति। ये द्वेषरहिताः जनाः सन्ति ते एव संन्यासीरूपेण जायन्ते, अन्ये न।

यो मनुष्यो नेच्छति अर्थात् कामस्योपरि विजयं प्राप्नोति स मनुष्यः संन्यासी भवति। प्रायः मनुष्यः प्रतिक्षणं नूतनकामनां करोति। कामना अपूरणीया अर्थात् कामनानां समाप्तिः कदापि न भवति यदि एकस्याः कामनायाः प्राप्तिर्भवति तदनन्तरं नूतनकामना जायते एवं कामनाक्रमः सततं प्रवर्तते परं भगवद्गीतायाः पञ्चमेऽध्याये लिखितमस्ति यत् यः कामरहितः उतवा निष्कामः भवति स एव संन्यासी भवति। यो द्वन्द्वमुक्तः स एव संन्यासी भवति।

यः संन्यासी भवति स मनुष्यः बन्धनं न प्राप्नोति। स मोक्षमवाप्नोति। स संसारे वसन्नपि संसारे न वसति। स तु स्वस्वरूपे तिष्ठति। स मनुष्यः एव जीवन्मुक्तः भवति।

तेजस्विनी

बी.ए. तृतीयवर्षीया छात्रा

संवादः (गीता-सीतयोः सम्वादः)



सीता- गीते! सुप्रभातम्, कथमस्ति?

गीता- सुप्रभातम् सीते! अहं तु कुशलिनी अस्मि, भवती कथमस्ति?

सीता- अहमपि सम्यक्। एष नूतनः स्यूतो भवत्याः अस्ति?

गीता- आम्, सीते! ममैव वर्तते।

सीता- एष तु उत्तमः स्यूतः वर्तते। मह्यं तु बहु रोचते। कुतः क्रीतवती?

गीता- फरीदाबादनगरे विशाल आपणोऽस्ति खलु, ततः एव क्रीतवती। तस्मिन् आपणे
सर्वाणि आवश्यकवस्तूनि उपलभ्यन्ते।
सीता- ओहो! एवमस्ति किम्?
गीता- आम्। एवमेव मम मित्र।
सीता- मया सह गमिष्यति भवती अद्य तत्रापणम्।
गीता- किमर्थम्?
सीता- अहमपि बहूनि वस्तूनि क्रेतुमिच्छामि।
गीता- एवमस्ति खलु? किमिच्छति भवती?
सीता- अहं संगणकं क्रेतुमिच्छामि। अहं पुस्तकानि क्रेतुमिच्छामि।
गीता- स्यूतं न इच्छति?
सीता- न। अहं यदा सफला भविष्यामि। अध्ययनं कृत्वा अध्यापिका भविष्यामि तदैव
एतादृशं स्यूतं ग्रहीष्यामि।
गीता- आम्। सत्यं वदति भवती। सर्वप्रथममस्माभिः परिश्रमः करणीयः।
आर्थिकरूपेण स्वातंत्र्यम् प्राप्तव्यम्। तदनन्तरं स्वाजितैः धनैः कामनाः पूरणीयाः।
सीता- आम्। अधुना त्वया अवगतम्। पुनः मिलामः।
गीता- अस्तु, सीते!

साधना

बी.ए. तृतीय वर्षीया छात्रा

स्वामी दयानन्दः



वेदप्रचारकाय धर्मसुधारकाय
नारीसम्मानदाय शिक्षाप्रचारकाय
आर्यसमाजसंस्थापकाय महात्मने
नमः एतस्मै स्वामीदयानन्दवर्याय

अस्माकं भारतदेशे एतादृशाः बहवः महापुरुषाः अभवन्, येषां समाजे अवदानम्
अविस्मरणीयम्। तेषु महापुरुषेषु स्वामीदयानन्दवर्यस्य महत्त्वपूर्णं स्थानमस्ति। एष
महापुरुषः समाजस्य कृते स्वजीवनं समर्पितवान्। स्वामीदयानन्दवर्यः भारतस्य
महान् विभूतिः वर्तते। एतादृशस्य महापुरुषस्य दयानन्दवर्यस्य जन्म
गुजरातप्रान्तस्य टंकारा नाम्नि ग्रामेऽभवत्। अस्य जन्म 1824 तमे वर्षे अभवत्। अस्य
पितुः नाम श्रीकर्षणतिवारी इति आसीत्। दयानन्दस्य मूलनाम मूलशंकरः आसीत्।
अयं मूलशंकरः आबाल्यकालात् तार्किकः आसीत्। एकदा शिवरात्रिपर्व आसीत्,
अस्मिन् पर्वणि एषः बालकः उपवासं कृतवान्। सः पित्रा सह शिवमन्दिरं गतवान्। तत्र
तेन शिवलिंगस्य उपरि मूषकः दृष्टः सः मूषकः शिवलिंगे स्थापितं मिष्टान्नं खादन्
आसीत्। तदा बालकः मूलशंकरः चिन्तितवान् ईश्वरः तु सर्वेषां रक्षां करोति परं यदि सः

स्वरक्षां कर्तुं न शक्नोति कथं सर्वेषां रक्षां करिष्यति। एवं चिन्तयित्वा सः बालकः अतीव
निराशः अभवत्। निराशः एषः बालकः शिवम् अन्वेष्टुं गृहं त्यक्त्वा संन्यासी अभवत्।
अनेकैः पण्डितैः सह मिलितवान्, शास्त्राणि पठितवान्। ततश्च स्वामी-
पूर्णानन्दसरस्वती महोदयस्य समीपम् अगच्छत् तत्रैव संन्यासदीक्षां गृहीतवान्।
तस्मात् कालात् मूलशंकरः बालकः स्वामीदयानन्दसरस्वती इति नाम्ना ज्ञायते।

मनुष्यस्य जीवने गुरोः स्थानं अतीव महत्त्वपूर्णं भवति स्वामीदयानन्दस्य जीवनेऽपि
गुरुविरजानन्दस्य स्थानं एवमेव महत्त्वपूर्णम् आसीत्। तस्मात् गुरोः
स्वामीदयानन्दः अधीतवान्। तेन गुरुणा स्वामीदयानन्दः आदिष्टः यत् वत्स! समाजे
अज्ञानप्रस्तजनानां उद्धारं कुरु, एषा एव मम दक्षिणा भविष्यति। गुरोः आदेशं गृहीत्वा
स्वामीदयानन्दः अज्ञानप्रस्तजनानां कृते अनेकानि कार्याणि कृतवान्।

महर्षिदयानन्दस्य कृतयः-

साहित्यमाध्यमेन मनुष्यस्य विचाराः अमरत्वं प्राप्नोति एवं विचिन्त्य
महर्षिदयानन्देन अनेकग्रन्थाः विरचिताः यथा- 1. ऋग्वेदभाष्यम् 2. यजुर्वेदभाष्यम् 3.
ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका 4. सत्यार्थप्रकाशः 5. संस्कारविधिः 6. गोकर्णविधिः 7.
पञ्चमहायज्ञविधिः इत्यादयः।

महर्षिदयानन्दस्य अवदानम्-

समाजसुधारकः- महर्षिदयानन्दः समाजसुधारकेषु मूर्धन्यः। महर्षिदयानन्दस्य
महत्त्वपूर्णसमाजसुधारकार्याणि एवं सन्ति-

- महर्षिदयानन्दमहाभागेन वैदिकधर्मस्य प्रचाराय आर्यसमाजस्य स्थापना
कृता।
- महर्षिदयानन्दः जन्माधारितां जातिप्रथां निरस्य गुणकर्मानुसारं वर्णव्यवस्थां
स्थापितवान्।
- समाजे प्रचलितं सर्वविधमपि अन्धविश्वासं निराकरोत् यथा- पशुबलिप्रथा
भूतप्रेतादिप्रवादः..... इत्यादयः।
- महर्षिदयानन्दः युक्तिप्रमाणपुरःसरं मूर्तिपूजायाः खण्डनं कृतवान्।
- स्त्रीशिक्षायाः कृते यत्नं कृतवान्। यत्र महिलाः शिक्षिताः तत्रैव देशोन्नतिः भवति।
शिक्षायाः अधिकारः महिलानां कृते अपि वर्तते। अतः अनेन
कन्यागुरुकुलानामपि स्थापना कृता। बालकवत् बालिकानामपि
यज्ञोपवीतसंस्कारः प्रारब्धः।
- महर्षिदयानन्देन दासप्रथायाः बालविवाहस्य बहुपत्नीवादस्य च निदानं कृतम्।
- मृतानां पितृणां श्राद्धकर्म वेदविरुद्धम् अघोषयत्, जीवितपितृणां सेवां कर्तुम्
आदेशं कृतवान्।
- वैदिकसंस्कृतेः प्रचारं कृतवान्। वेदाध्ययनं आर्याणां परमकर्तव्यम् एवं अमन्यत।
- पञ्चयज्ञानां षोडशसंस्काराणां अवश्यकरणीयत्वं प्रत्यपादयत्।

उपसंहारः- एवं कथयितुं शक्नुमः यत् भारतभूमिः धन्या यत्र काले काले अनेके महापुरुषाः अभवन्। एतेषु महापुरुषेषु स्वामीदयानन्दः अपि अन्यतमः। महर्षिदयानन्दः क्रान्तदर्शी, निर्भीकः, धर्मपरायणः, वैदिकधर्मप्रचारकः, शोषितोद्धारकः, राष्ट्रियचेतनाप्रबोधकः, समाजसुधारकः च आसीत्। एतादृशः महापुरुषः समाजस्य मार्गदर्शकः, अस्माभिः तेषां प्रदर्शितमार्गस्य अनुसरणं करणीयम्।

सीता
बी.ए. तृतीयवर्षीया छात्रा

हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथे



“उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः” सुप्रसिद्धा उक्तिरियं। अस्याः उक्त्याः अर्थः अस्ति- कार्याणि केवलं मनोरथैः कामनामात्रेण एव न सिध्यन्ति अपितु उद्यमेन अर्थात् यत्नेन परिश्रमेण एव सिध्यन्ति। भवन्तः पानीपतवासिनः नवदीपसिंहमहोदयस्य नाम स्मरन्ति खलु, नवदीपसिंहमहाभागेन यत्नेन एव अस्माकं देशस्य नाम विश्वपटले प्रकाशितं तेन पैरिसनगरे आयोजितायां पैरालम्पिकप्रतियोगितायां स्वर्णपदकं लब्धम्। यदि कोऽपि केवलं स्वर्णपदकं इच्छति, तस्य कृते अभ्यासं न करोति, किं सः स्वर्णपदकं प्राप्तुं शक्नोति? नैव कदापि न। एवं सफलतायै उद्यमः आवश्यकः। नवदीपसिंहसदृशानि अन्यानि अपि नामानि सन्ति यैः परिश्रमेण एव साफल्यम् प्राप्तम्।

यथा यदि राजनीतिक्षेत्रे पश्यामः अस्माकं देशस्य यशस्वी प्रधानमन्त्री नरेन्द्रमोदीमहाभागः, एषः बाल्यकाले चायविक्रेता आसीत् परम् बहुयत्नेन बहुपरिश्रमेण एव तृतीयं वारं अस्माकं देशस्य प्रधानमंत्री अभवत्। यदि नरेन्द्रमोदीमहाभागः केवलं इच्छाम् कुर्यात् किमपि यत्नम् न कुर्यात् किम् एवं सम्भवेत्। मम मतं तु न। अतः इच्छामात्रेण सफलता न भवति सफलतायै उद्यमः आवश्यकः।

यदि विज्ञानक्षेत्रे पश्यामः, इसरो अर्थात् भारतीय-अन्तरिक्ष-अनुसन्धान-संस्थानस्य उद्यमेन एव गतवर्षे चंद्रयान-तृतीयं चन्द्रग्रहे साफल्येन प्रेषितम्। यदि इसरो इति संस्थानम् उद्यमं न कुर्यात् तर्हि कदापि अस्माकं देशः चन्द्रयानप्रेषणे विश्वे चतुर्थम् स्थानं आप्नुयात्, न कदापि न। अतः उद्यमेन हि साफल्यं भवति, केवलं इच्छामात्रेण न।

यदि व्यवसायक्षेत्रे पश्यामः, रतनटाटा महोदयस्य नाम परिश्रमेण एव विश्वपटले प्रख्यातम्।

गतवर्षे मम कक्षायां द्वे छात्रे आस्ताम्। तयोः एका कथयति स्म यत् अहं प्रथमं स्थानं

प्राप्त्यामि अन्या अपि कथयति स्म यत् अहं अपि प्रथमं स्थानं प्राप्त्यामि परम् तयोः एका छात्रा बहु पठति स्म अन्या केवलं कथयति स्म, प्रथमस्थानं प्राप्तुं कमपि उद्यमं न करोति स्म। परिणामं जानन्ति या छात्रा उद्यमं कृतवती सा एव प्रथमस्थानं प्राप्तवती, अन्या छात्रा न। अतः उद्यमेन एव कार्यं सिध्यति केवलं मनोरथमात्रेण न।

यदि वयं कस्मिंश्चिदपि क्षेत्रे साफल्यम् आप्नुं इच्छामः तर्हि उद्यमः करणीयः।

महाकविभर्तृहरिणा बहु सम्यक् उक्तं यत् नास्ति उद्यमसमो बन्धुः अर्थात् उद्यमः मनुष्यस्य बन्धुः अस्ति। बन्धुः किम् करोति विपत्तिकाले मनुष्यस्य साहाय्यं करोति यस्य बन्धुः उद्यमः वर्तते सः मनुष्यः विपत्तिकालं एव न प्राप्नोति। यदि विषमः कालः आयाति एव, तर्हि उद्यमः एव बन्धुवत् साहाय्यं करोति।

भगवद्गीतायामपि उक्तं यत् कर्मणा एव संसिद्धिमास्थिता जनकादयः अर्थात् जनकादयः महापुरुषाः पुरुषार्थेन एव साफल्यम् आप्नुवन्। कथितमपि- चरन्वै मधु विन्दति अर्थात् यः चलति यः परिश्रमं करोति सः एव मधु अर्थात् फलं आप्नोति।

अतः अस्माभिः सततं उद्यमः करणीयः, तदैव सफलाः भविष्यामः।

कनिष्ठा उद्यमेनः
बी.ए. तृतीयवर्षीया छात्रा

चिन्तनमात्रेण किम्?



भगवद्गीतायाः द्वितीयाध्यायस्य पद्यमिदमस्ति बहूपयोगि श्रीभगवतोक्तम्-

“ध्यायतो विषयान्पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते।

सङ्गात्संजायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते।

अर्थात् यदि मनुष्यः कमपि विषयं चिन्तयति, यस्य मनुष्यस्य विषयाणां विषये चिन्तनं भवति तस्य मनुष्यस्य तेषु विषयेषु आसक्तिः भवति। तथा आसक्त्या तस्य मनुष्यस्य मनसि विषयप्राप्त्यर्थं कामना जायते। कामात् एव क्रोधः भवति। यदि सः स्वकामनां प्राप्तुमसमर्थः भवति तदा तस्य मनसि क्रोधोऽभिजायते।

क्रोधाद्भवति सम्मोहः सम्मोहात्स्मृतिविभ्रमः। स्मृतिभ्रंशाद् बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति।

यदि मनुष्यः क्रोधं करोति तस्मात् क्रोधात् सम्मोहः अर्थात् मूढभावः भवति। सम्मोहात् स्मृतिविभ्रमः भवति। स्मृतिभ्रंशाद् बुद्धिनाशो भवति अर्थात् बुद्धिः स्वकार्यं कर्तुं न शक्नोति। यदि बुद्धिः स्वकार्यं न करोति तदा मनुष्यस्य विनाशः भवति। अत्र अस्मिन् श्लोके कथितं यत् यः जनः सच्चिन्तनं न करोति तस्य मनुष्यस्य विनाशो भवत्येव। शृंखलामाध्यमेन एवं शक्नुमः अवगन्तुम्-

विषयचिन्तनम्
 ↓
 आसक्तिः
 ↓
 कामः
 ↓
 क्रोधः
 ↓
 सम्मोहः
 ↓
 स्मृतिविभ्रमः बुद्धिनाशः → मनुष्यनाशः



पुरः पुरः प्रगच्छ ऐ
 प्रगाय मातृवन्दनम्
 स्व-जन्म-भूमि-रक्षणे
 प्रयच्छा वीर! जीवनम्॥

शिरः कुरु समुन्तम्
 तवास्तु मा क्वचिद् भयम्।

पुरः पुरः प्रगच्छा रे
 प्रगाय मातृ वन्दनम्।

श्वेता
 बी.ए. प्रथमवर्षीया छात्रा

रणे धृतिः सुकौशलम्
 प्रवर्धताम् मनोबलम्।

संस्कृतकाव्यम्



सुनिश्चितः जयस्तव
 कुरु स्वधर्मपालनम्॥

पुरः पुरः प्रगच्छ ऐ
 प्रगाय मातृवन्दनम्॥

पुरः पुरः प्रगच्छ ऐ
 प्रगाय मातृवन्दनम्।
 स्व-जन्म-भूमि-रक्षणे
 प्रयच्छ वीर! जीवनम्॥
 शिरः कुरु समुन्तम्
 तवास्तु मा क्वचिद् भयम्।
 पुरः पुरः प्रगच्छ ऐ
 प्रगाय मातृवन्दनम्॥
 रणे धृतिः सुकौशलम्
 प्रवर्धताम् मनोबलम्।
 सुनिश्चितः जयस्तव
 कुरु स्वधर्मपालनम्।
 पुरः पुरः प्रगच्छ ऐ
 प्रगाय मातृवन्दनम्।

ईशा
 बी.एससी. द्वितीयवर्षीया छात्रा

इशा भारद्वाज
 बी.एस.सी - द्वितीय वर्ष
 रोल न0 35



ARTIFICIAL INTELLIGENCE (AI)

Artificial Intelligence (AI) is rapidly transforming the educational landscape, offering students a wide range of tools and opportunities to enhance their learning experience. However, its integration also presents challenges that need to be carefully navigated.



KEY ROLES AND BENEFITS FOR STUDENTS :-

Personalized Learning: AI can create customized learning paths for each student. By analyzing a student's strengths, weaknesses, and learning pace, AI-powered platforms can provide tailored content, resources, and feedback. This "one-on-one" approach helps students grasp concepts more effectively and at their own speed.

Intelligent Tutoring and Support:

AI-driven tutors and virtual assistants are available 24/7 to help students with their studies. They can answer questions, provide explanations, and offer immediate feedback on assignments, allowing students to get help whenever they need it, even outside of regular class hours.

Enhanced Accessibility: AI-powered assistive technologies are a game-changer for students with disabilities. Tools like text-to-speech, speech recognition, and visual recognition can make educational materials and learning environments more inclusive and accessible.

Engaging and Interactive Content: AI makes learning more dynamic and fun. It can power gamified content, interactive quizzes, and realistic simulations that respond to student input, keeping learners motivated and involved.

Efficient Study Tools: AI tools can act as powerful assistants for students. They can help with summarizing complex materials, generating practice questions, and providing suggestions for improving writing skills. When used responsibly, these tools can streamline the study process and boost academic performance.

Career and Skill Guidance: AI can analyze data and identify skill gaps, helping students prepare for future academic and professional challenges. It can also offer insights into career paths and job market trends, helping students make more informed decisions about their future.

Academic Integrity and Misuse: The widespread availability of AI tools raises concerns about academic dishonesty. Students may be tempted to use AI to complete assignments without genuinely understanding the material, which can hinder the development of critical thinking and problem-solving skills.

Reduced Human Interaction: An over-reliance on AI might reduce opportunities for face-to-face interaction with teachers and peers. This could potentially diminish the development of important social and emotional skills, and lead to a sense of social isolation.

Data Privacy and Security: AI systems in education often require the collection of vast amounts of student data. This raises significant privacy concerns about how this sensitive information is stored, used, and protected.

Potential for Bias and Hallucinations: AI algorithms are trained on data, which can contain inherent biases. If not carefully managed, these biases could lead to unfair or discriminatory outcomes in grading or resource allocation. Additionally, AI models can sometimes "hallucinate" or generate false information, requiring students to develop a critical eye to verify the content.

Inequity in Access: Not all students have equal access to the necessary technology or internet connectivity to fully utilize AI tools. This can exacerbate existing inequalities and create a digital divide in education. In conclusion, AI has the potential to be a powerful and transformative force in a student's life, offering unprecedented opportunities for personalized and accessible learning. However, it is crucial for educators, students, and institutions to address the ethical and practical challenges to ensure that AI is integrated responsibly and equitably to benefit all learners.

Dr. Meenu Sheoran
Computer science Department

Kindly conserve Water because
WATER IS LIFE
and every drop counts.



Water Conservation:
It All Starts With You!



GENDER INEQUALITY- Under Representation of Women in Judiciary in India

Introduction: The Sustainable Development Goal 5 aims to achieve gender equality and empowerment of all women and girls. The UN explains, “Gender equality is not only a fundamental human right, but a necessary foundation for a peaceful, prosperous and sustainable world. Providing women and girls with equal access to education, health care, decent work and representation in political and economic decision-making process will fuel sustainable economies and benefit societies and humanity at large.”

Target 5.5 talks about ensuring full and effective participation along with equal opportunities for women in leadership and at all levels of decision-making in political, economic and public life. Since the UN General Assembly adopted the Convention on the Elimination of all Forms of Discrimination Against Women in 1979, women in many countries are becoming leaders in their fields. Yet, female representation in the judiciary in almost all the countries barring a very few, is inadequate and India is no exception.

- Of nearly 17 lakh lawyers registered in the country, only 15 per cent are women. Of the total of 256 judges appointed to the Supreme Court, there have been only 11 women, constituting a mere 4.2%. Only 11.5% of judges in High Courts are female.

Collegium has thus far recommended 192 candidates for the high courts. A total of 37 of them, or 19%, were women.

- **Subordinate Courts:** About 30 percent are women judicial officers in subordinate courts.
- **Advocates:** Of the 1.7 million advocates, only 15% are women.
- **Bar Council:** Only 2% of the State Bar Councils' elected officials are women. The Bar Council of India has no female members.

Why women's representation in the judiciary is important?

Whom we see representing us in the courts matter. People equate a gender diverse judiciary with more representative governance. Judges from diverse background in terms of gender, religion and caste can ensure a balanced approach to enforcing the law and implementing equality, which in turn builds public trust and confidence in the state. A woman on the bench portrays diverse participation, reduces gender stereotypes, brings empathetic responses to the table, and above all, enables other females to readily

seek justice for themselves. By empowering women judges, we not only ensure better decision-making but also provide an example of equal inclusivity and visibility of women in every workplace. Women judges can serve as role models for young women and girls, encouraging them to pursue careers in law and leadership. Representation of women in the Judiciary brings in different life experiences and cultural practices which can be a key factor in understanding the nuances of the society and thus help in providing a more holistic approach towards decision making. The judiciary will not be trusted if it is viewed as a bastion of elitism, exclusivity, and privilege. Therefore, the presence of women is essential for the legitimacy of the judiciary. And finally, improving the representation of women in the judiciary could go a long way toward a more balanced and empathetic approach in cases related to sexual violence. The issue of gender sensitization has been raised many times, especially in cases where male judges failed to show empathy for female victims. Overall, having a more diverse judiciary that includes women can help to create a more fair, just, and equitable legal system for everyone.

Barriers faced by Women in the Indian Judiciary:

There are a number of challenges that women face in the judiciary, including:

- **Stereotypes & lack of infrastructure:** The Ex- Chief Justice Ramana noted that barriers to entry and advancement for women in the legal profession include a lack of infrastructure, gender stereotypes, and social attitudes. “Clients' preferences for male attorneys, an unsettling atmosphere in courtrooms, a lack of infrastructure, crowded courtrooms, a lack of restrooms for women, etc. all discourage women from entering the profession. According to the study, there are only about 22% of the 6,000 trial courts with women's restrooms.
- **Gender bias:** Women in the judiciary may face unconscious bias and discrimination from colleagues, clients, and other members of the legal community. This can make it harder for them to be taken seriously and can impede their advancement in their careers.
- **Work-life balance:** Women in the judiciary may face additional challenges in balancing their work and personal responsibilities, as the demands of the job can be intense and require long hours. This can make it harder for women to advance their careers and can contribute to burnout.
- **Male-dominated appointment structure:** Currently, there are many women candidates who are deserving of being appointed as judges, but the main issue is the Supreme Court's male-dominated collegium structure.

- **Hostile environment in the courtroom:** It is very difficult for female litigators to advance professionally because of the hostile and sexist environment at the highest courts.
- **Domestic Duties:** Despite being offered judgeships in the past, many women's rights advocates turned them down due to their domestic duties.
- **Lack of representation:** Women are under represented in the judiciary, particularly at the higher levels. This can make it harder for women to find role models and mentors and can make it harder for them to be seen as qualified candidates for leadership positions.
- **Glass ceiling:** Women in the judiciary may hit a glass ceiling where they become stuck at a certain level in their careers, even if they are highly qualified, this is due to the lack of representation and bias.
- **Harassment:** Women in the judiciary also face a higher risk of harassment and assault, which can make the workplace an inhospitable environment.

These challenges can make it more difficult for women to succeed in the judiciary, but with more and more women entering the profession and advocating for change, the system is slowly but surely moving towards a more inclusive, equitable and fair environment.

Recommendations for improving representation of women in Indian Judicial System:

- A fixed percentage of women judges in the higher judiciary must be maintained and promoted in order for India's judicial system to evolve into one that is gender-neutral.
- By raising awareness and emphasizing inclusivity, it is necessary to bring about institutional, social, and behavioural change among India's population.
- The legal profession ought to be a symbol of gender equality because it is a gatekeeper of equality and a profession dedicated to upholding rights.
- A court would be more open to considering itself in a new light and more likely to undergo further modernization and reform if its long-standing demographics are altered.

Conclusion

There has been a steady improvement in the representation of women in the judiciary. However, despite recent progress, bias against women in the legal system still exists.

To eliminate the bias and create a truly representative judiciary, institutional reforms and social change are both required..

Dr. Parul Rana

Associate Professor, Department of Geography,
Government College for Women, Faridabad.

NATURE'S MESSAGE TO HUMANITY



Disasters like floods, landslides, and cloudbursts can feel overwhelming. They destroy homes, disrupt lives, and leave us helpless. But if we pay attention, we realize these events are not just accidents. They are messages from nature, urging us to care for the environment and for one another.

As responsible citizens, it is our duty to understand these messages and respond with compassion, knowledge, and action. We have both the ability and the responsibility to protect our surroundings and support those in need.

What Nature Wants Us to Understand

Take care of the environment

Cutting down forests, polluting rivers, and overbuilding disturb the balance of nature. Disasters remind us to slow down and look after our planet.

Climate change is real, we can help

Extreme weather is increasing because of human actions like burning fuels and wasting resources. But change is possible if we make mindful choices.

Be prepared and stay united

Disasters can happen anytime. Knowing safety measures, preparing emergency kits, and checking on neighbors can save lives.

Think of future generations

Every tree we plant, every drop of water we save, every small effort matters. These choices protect the planet for children and families yet to come.

Support each other with kindness

In tough times, communities survive through cooperation. Helping, sharing, and caring makes us stronger than any technology or money.

Shalini Khurana

Associate Professor
Department of JMC

LEGAL LITERACY CELL

Govt. College For Women
Sector- 16A, Faridabad



EDUCATION IS THE MOST



WEAPON WHICH YOU CAN USE TO



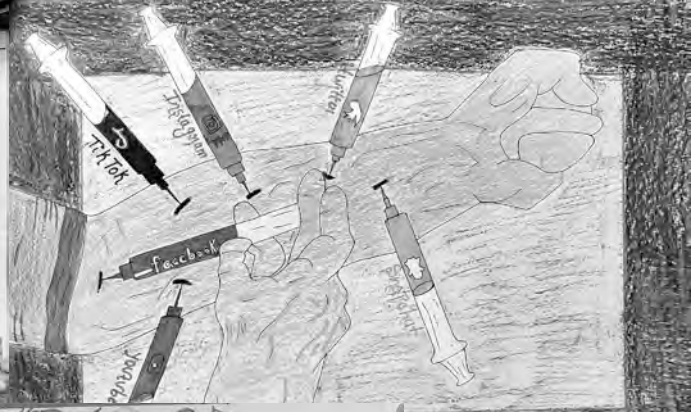
"A Girl Child Brings Joy,
She is no Less Than a Boy."

Stop The Sin of
Female Foeticide

Education is the most
POWERFUL
Weapon which
you can use to
CHANGE THE WORLD



विश्व जन्मीके अनेकों रुपोमे से
एक रुप बेटी है,
सदा उसका सम्मान करो,
क्योंकि वह है,
तो ही तुम हो !
"बेटी हैं- तो कल है"



SAVE A GIRL CHILD

SAVE YOURSELF

HE CHANGED MY FACE
NOT MY HEART
HE THREW ACID ON
MY FACE, NOT MY
DREAMS

"Give Girls
The Wings
To Fly
Not The
Pain To
Cry And
Die"

Don't Hesitate,
Don't Delay,
To TREAT
Everyone
THE Rightfull
Way

EDUCATION
IS A LUCKY
IS A MORTGAGE
IS A BUSINESS
IS A RIGHT

DON'T KEEP
CHILDREN IN
THE DARK...

PEOPLE
TEND TO FORGET
THEIR DUTIES BUT
REMEMBER THEIR
RIGHTS



OPEN YOUR EYES
BEFORE
CORONA VIRUS
CLOSE THEM
FOR
LIFE TIME

STOP ACID ATTACK

STOP CHILD LABOUR

LIST OF INSTITUTIONS OF HIGHER EDUCATION IN HARYANA

University	Location	Type	Specialisation
Al-Falah University	Faridabad	Private	General
Amity University, Haryana	Gurgaon	Private	General
Ansal University Gurgaon	Gurgaon	Private	Technology
Apeejay Stya University	Gurgaon	Private	General
Ashoka University	Sonipat	Private	Arts
Baba Mast Nath University	Rohtak	Private	General
Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya	Sonipat	State	Women's only
Bharti Vidyapeeth, Sonipat Campus	Sonipat	Private	General
BML Munjal University	Gurugram	Private	General
CCS Haryana Agricultural University	Hisar	State	Agriculture
Central University of Haryana	Mahendragarh	Central	General
Chaudhary Bansi Lal University	Bhiwani	State	General
Chaudhary Devi Lal University	Sirsa	State	General
Chaudhary Ranbir Singh University	Jind	State	General
Deenbandhu Chhotu Ram Uni. of Sc. and Tech.	Sonipat	State	Technology
Gurugram University	Gurugram	State	General
GD Goenka University	Gurgaon	Private	General
Guru Jambheshwar Uni. of Sc. and Tech.	Hisar	State	Science, Technology
Haryana Institute of Civil Aviation	Hisar, Karnal & Kalka	State	Aviation
Haryana Vishwakarma Skill University	Dudhola Palwal	State	Skills development
IILM University	Gurugram	Private	Management
Indian Institute of Information Technology	Sonepat	Central (INI)	Technology
Indira Gandhi University Meerpur, Rewari	Rewari	State	General
Indian Institute of Management	Rohtak	Central (INI)	Business, Mgt.
IIT Delhi, Sonipat Campus	Sonipat	Central (INI)	Technical
Indian National Defence University	Binola, Gurgaon	Central	Defence
Jagan Nath University, NCR	Jhajjar	Private	General
Shri Krishna AYUSH University	Kurukshetra	State	AYUSH
KR Mangalam University	Gurgaon	Private	General
Kurukshetra University	Kurukshetra	State	General
Lingaya's University	Faridabad	Deemed & Pvt.	Technology, Mgt.
Maharana Pratap Horticultural University, Karnal	Anjanthali	State	Horticulture
Maharishi Balmiki Sanskrit University, Kaithal	Kaithal	State	Sanskrit
Maharshi Dayanand University	Rohtak	State	General
Maharishi Markandeshwar University, Mullana	Ambala	Deemed & Pvt.	General
Manav Rachna Int. Inst. of Research & Studies	Faridabad	Deemed & Pvt.	Technology, Mgt.
Manav Rachna University	Faridabad	Private	General
MVN University	Palwal	Private	Technology, Mgt.
National Brain Research Centre	Manesar	Deemed & Central	Neuroscience
National Dairy Research Institute	Karnal	Deemed & Central	Dairy
National Institute of Design, Kurukshetra	Kurukshetra	Central (INI)	Technology
National Institute of Technology	Kurukshetra	Central (INI)	Technology
National Law University, Sonipat	Sonipat	State	Law
National Institute of Fashion Technology	Panchkula	State	Fashion
NIILM University	Kaithal	Deemed & Private	Technology
O. P. Jindal Global University	Sonipat	Private	General
Pt. B.D. Sharma Univ. of Health Sciences	Rohtak	State	Healthcare
Pt. D.D. Upadhyaya Univ. of Health Sciences	Karnal	State	Healthcare
State University of Performing And Visual Arts	Rohtak	State	Art and Culture
PDM University	Bahadurgarh	Private	Technology, Mgt.
Shree G.G.S. Tricentenary University, Budhera	Gurgaon	Private	Medical
Skyline Business School, Sonipat Campus	Sonipat	Private	Management
School of Inspired Leadership	Gurgaon	Private	Management
SRM University, Haryana	Sonipat	Private	General
Starex University	Gurgaon	Private	General
The NorthCap University	Sonipat	Public	Tech., Manag, Law, AS
World University of Design	Sonipat	Public	Tech., Manag, Law, AS
YMCA University of Science and Technology	Faridabad	State	Technology

Statutory

Statement about Ownership and Particulars about Magazine

Ankurita

Form IV (See Rule 8)

1. Place of Publication : Govt. College for Women, Faridabad
2. Periodicity of Publication : Yearly
3. Publisher Name : Dr. Sunidhi
Nationality : Indian
Address : Govt. College for Women, Faridabad
4. Chief Editor's Name : Mrs. Meenal Sabharwal
Nationality : Indian
Address : Govt. College for Women, Faridabad
Printed At : Impression (Prints & Graphics)
5. Compiled & Coordinated by : Staff Members

I, Sunidhi do hereby declare that the particulars given above are true to best of my knowledge and belief.

Dr. Sunidhi
Principal
Govt. College for Women, Faridabad

Note: The contributors to Ankurita are individually responsible for originality or otherwise of their articles including the consequences thereof.

Dr. Sunidhi
Principal
Govt. College for Women, Faridabad

College staff



Editorial Board



STAFF EDITORS (SITTING FROM LEFT)

Ms. Shalini Khurana, Dr. Sunidhi (Principal), Ms. Meenal Sabharwal, Dr. Sonia

STUDENT EDITORS (STANDING FROM LEFT)

Himanshi, Kanishka



GOVT. COLLEGE FOR WOMEN

Sector-16A, Faridabad-121002 (Haryana)
Phone : 0129-2284616 | Telefax : 0129-4074616
Email : principalgcwfbd@gmail.com